16 अक्टूबर, 2024 को श्रीनगर के एसकेआईसीसी में नई जम्मू-कश्मीर सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा सीएम उमर अब्दुल्ला और एनसी नेताओं सुरिंदर चौधरी, सकीना इट्टू, जावेद राणा, जावेद डार और सतीश शर्मा के साथ।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक:164 दिनांक:17-10-2024 गुरूवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

न सिर्फ सुप्रीम कोर्ट का प्रतीक चिन्ह बदल रहा है, बल्कि न्याय की देवी की आंखों पर वर्षों से बंधी पट्टी भी हट गयी है. सुप्रीम कोर्ट ने देश को संदेश दिया है कि अब कानून अंधा नहीं है. सारी कवायद सुप्रीम कोर्ट के सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने की है.

खालिस्तानी आतंकी पन्नू ने दिए भारत के खिलाफ झूठे सबूत, कनाडाई पीएम ट्रूडो से सीधे रिश्ते की बात कबूली

नई दिल्ली (ईएमएस)। खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के साथ अपने सीधे रिश्तों की बात कबूल करते हुए दावा किया कि उसने ही भारत के खिलाफ जानकारी मुहैया कराई, जिस पर ट्रूडो ने कार्रवाई की।

कनाडा ने पिछले साल हुई खालिस्तानी समर्थक निज्जर की हत्या मामले में भारत पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इसके बाद सोमवार को कनाडा ने छह भारतीय राजनयिकों को निष्कासित कर दिया। इस बीच पन्नू ने कनाडा के चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा कि ये कार्रवाई उसके कहने पर हुई है।

पन्नू ने कहा कि मैं खालिस्तानी अभियान तभी चला पाऊंगा जब मैं जीवित रहूंगा। इसलिए मैं यह सुनिश्चित करने के लिए सभी सुरक्षा उपाय कर रहा हूं कि मैं खुद को सुरक्षित रख सकूं और दुनियाभर में खालिस्तानी कैंपेन को जारी रख सकूं।

कानाडाई पत्रकार ने सवाल किया कि भारत सरकार ने मामले की जांच को कमेटी का गठन किया है। विक्रम यादव की गिरफ्तारी के बारे में आप क्या सोचते हैं? इस पर पन्नू ने कहा कि समिति सिर्फ एक दिखावा है, और निष्कर्ष सिर्फ एक लीपापोती होगी। क्योंकि हम सभी जानते हैं खालिस्तानियों के साथ भारतीय न्यायिक प्रणाली के साथ कैसा अनुभव रहा है। चूंकि हम उनके संविधान को मान्यता नहीं देते, उनकी न्यायिक प्रणाली पक्षपातपूर्ण है, वे हमेशा सिख समुदाय के प्रति पक्षपातपूर्ण होते हैं, विशेष रूप से उन लोगों के प्रति जो आलोचनात्मक असहमतिपूर्ण राय रखते हैं। जैसे कि मैं।

आतंकी पन्नू ने कहा कि लेकिन मुझे लगता है भारतीय राजनयिक को निष्कासित करना, जिसने भारतीय एजेंटों को रसद और खुफिया सहायता प्रदान की, जिन्होंने हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की, न्याय मिलना नहीं है। यह सिर्फ एक शुरुआत है। प्रो कनाडाई सिख के रूप में हम चाहते हैं कि वैंकूवर और टोरंटो में भारतीय वाणिज्य दूतावास हमेशा के लिए बंद हो जाने चाहिए। क्योंकि भारतीय राजनयिकों को निष्कासित करने के बाद भारत द्वारा उस रिक्त स्थान को भरने के लिए अन्य राजनयिकों को भेजा जाएगा और ऐसे जासूसी नेटवर्क कभी खत्म नहीं होगा। और यह कनाडा की संप्रभुता के लिए एक सीधी चुनौती है।

खलिस्तानी आतंकी पन्नू ने इस दौरान कहा कि, कनाडाई सिख के रूप में हम चाहते हैं कि वैंकूवर और टोरंटो में भारतीय दूतावास हमेशा के लिए बंद हो जाने चाहिए। क्योंकि इसके बाद भारत अन्य लोगों को राजनयिकों की जगह भरने के लिए भेजेगा। और इस तरह से भारत का जासूसी नेटवर्क खत्म नहीं होगा। इस इंटरव्यू के दौरान पन्नू ने ये भी कहा कि वो भारत की हत्या की धमकी या सरकार की तरफ से मेरे खिलाफ रची जा रही हत्या की साजिशों से नहीं डरता, चाहे वह कनाडा में हो या अमेरिका में हो।

एससीओ सदस्य देश क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता को मान्यता दें: जयशंकर

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने चीन और पाकिस्तान की पोल खोल दी है। एससीओ समिट को संबोधित करते हुए जयशंकर ने पाकिस्तान-चीन के सीपीईसी प्रोजेक्ट के कारण भारतीय संप्रभुता के उल्लंघन का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि एससीओ के सदस्य देशों का सहयोग परस्पर सम्मान और संप्रभु समानता पर आधारित होना चाहिए।

यह जरूरी है कि सभी देश क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता को मान्यता दें। इसके लिए वास्तविक साझेदारी का निर्माण होना चाहिए न कि एकपक्षीय एजेंडे पर आगे बढ़ा जाना चाहिए। विदेश मंत्री ने सीपीईसी की ओर इशारा करते हुए कहा कि यदि हम दुनिया की चुनिंदा प्रथाओं को ही आगे बढ़ाएंगे जैसे व्यापार और व्यापारिक मार्गों के लिए तो एससीओ की प्रगति नहीं हो सकती है। सीपीईसी को लेकर भारत चिंतित है कि यह परियोजना पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से होकर गुजरती है, इसे क्षेत्र को भारत अपना अभिन्न अंग मानता है। जयशंकर ने एससीओ शिखर सम्मेलन में कहा कि एससीओ का प्राथमिक लक्ष्य आतंकवाद, अलगाववाद और अतिवाद का मुकाबला करना है। वर्तमान समय में ये और भी अहम है। इसके लिए ईमानदार से बातचीत, विश्वास, अच्छे पड़ोसी और एससीओ चार्टर के प्रति प्रतिबद्धता की जरुरत है। एससीओ को इन तीन बुराइयों का मुकाबला करने में दृढ़ और संकल्पित होने की जरुरत है। सीबीसी न्यूज को दिए साक्षात्कार में पन्नू ने भारतीय-कनाडाई समुदाय पर कनाडा के संविधान के प्रति वफादार न होने का भी आरोप लगाया। उसने कहा- ये भारतीय-कनाडाई, जिनके भारत में पारिवारिक संबंध हैं, क्या वे कनाडा के संविधान के प्रति वफादार हैं या वे अभी भी भारतीय संविधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाना चाहते हैं?

'निज्जर हत्याकांड में कनाडा के पास भारत के खिलाफ नहीं था कोई ठोस सबूत', पीएम ट्रूडो का कबूलनामा

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा, ''कनाडा ने भारत से सहयोग करने के लिए कहा, उनका (भारत) अनुरोध सबूत मांगना था। हमने भारतीय सुरक्षा एजेंसियों से आगे की जांच करने और हमारे साथ सहयोग करने को कहा, क्योंकि उस समय हमारे (कनाडा) पास केवल खुफिया जानकारी थी, न कि कोई ठोस सबूत।

जस्टिन ट्रूडो ने कहा, ठगर्मियों के दौरान मुझे खुफिया सेवाओं की तरफ से अवगत कराया गया था कि निज्जर की हत्या में भारत सरकार शामिल थी, कोई स्पष्ट अंतरराष्ट्रीय संबंध नहीं था, अगस्त में कनाडा और द फाइव आईज से खुफिया जानकारी ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत इसमें शामिल था। भारत के एजेंट कनाडाई धरती पर इसमें शामिल थे। हमने उन्हें बताया कि हमारी वास्तविक चिंता यह है कि आपकी सुरक्षा एजेंसियां इसमें शामिल हैं। हमारी जांच के जवाब में भारत ने प्रतिक्रिया में हमारी सरकार के खिलाफ अपने हमलों को दोगुना कर दिया। भारत ने हमारी सरकार और शासन को कम आंका, ये स्पष्ट संकेत थे कि भारत ने हमारी संप्रभुता का उल्लंघन किया है। जस्टिन ट्रूडो ने कहा, ''कनाडा ने भारत से सहयोग करने के लिए कहा, उनका (भारत) अनुरोध सबूत मांगना था। हमने भारतीय सुरक्षा एजेंसियों से आगे की जांच करने और हमारे साथ सहयोग करने को कहा, क्योंकि उस समय हमारे (कनाडा) पास केवल खुफिया जानकारी थी, न कि कोई ठोस सबूत।

विदेशी हस्तक्षेप आयोग में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा, मोदी सरकार के विरोधी कनाडाई लोगों की जानकारी भारत सरकार को उच्चतम स्तर पर दी गई जिसके बाद लॉरेंस बिश्नोई गिरोह जैसे आपराधिक संगठनों के माध्यम से भेजी गई जानकारी के परिणामस्वरूप कनाडाई लोगों के खिलाफ हिंसा हुई। हम भारतीय राजनयिकों से पूछताछ करना चाहते थे, लेकिन उन्होंने अपनी राजनयिक प्रतिरक्षा को नहीं छोड़ा, इसलिए हमें उन्हें जाने के लिए कहना पड़ा।

वहीं इधर भारत में कांग्रेस ने बुधवार को कहा कि सरकार को कनाडा और अमेरिका की तरफ से लगाए गए उन आरोपों पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए, जो भारत की वैश्विक छवि को धूमिल कर रहे हैं और विपक्ष को विश्वास में लेना चाहिए। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि विपक्ष को पूरी जानकारी होनी चाहिए, क्योंकि भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा की रक्षा करना एक साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने एक्स पर कहा, कानून के शासन में विश्वास रखने वाले और उसका पालन करने वाले देश के रूप में हमारे देश की अंतरराष्ट्रीय छवि खतरे में है और यह महत्वपूर्ण है कि हम इसे बचाने के लिए मिलकर काम करें।

केंद्र सरकार ने विमानों में बम की धमकियों पर गंभीर रुख अपनाया

नई दिल्ली (ईएमएस) । देश में पिछले 48 घंटे में विमानों में बम की 12 धमकियां मिली हैं. अब सरकार ने इस तरह की धमकियों पर गंभीर रुख अपनाया है. केंद्रीय गृह मंत्रालय ने विमानन मंत्रालय से रिपोर्ट मांगी है. उधर, दिल्ली पुलिस ने सात मामले दर्ज किए हैं. जानकारी के मुताबिक, गृह मंत्रालय की ओर से रिपोर्ट मांगे जाने के बाद विमानन मंत्रालय ने सभी एयरलाइंस से इनपुट मंगाए हैं. इस मामले में डीजीसीए अपनी रिपोर्ट को तैयार करने के बाद इसे विमानन सचिव को सौंपेगा, जिसके बाद इस पर चर्चा संभव है. कल दोपहर को इस रिपोर्ट पर चर्चा हो सकती है.

गृह मंत्रालय ने इस तरह की घटनाओं के बाद सीआईएसएफ से एयरपोर्ट पर अधिक सतर्कता बरतने के लिए कहा है. वहीं विमानन मंत्रालय इस तरह के मामलों से निपटने के लिए गाइडलाइंस जारी कर सकता है.

माना जा रहा है कि इस तरह की घटनाओं को लेकर कई गंभीर कदम उठाए जाएंगे. एयरलाइंस का सुझाव है कि इस तरह के मामलों में अफवाह फैलाने वाले शख्स पर 5 साल के लिए बैन होना चाहिए. वहीं एयर इंडिया ने नुकसान की भरपाई आरोपियों से वसूलने का सुझाव दिया है. साथ ही एक सुझाव में ऐसे मामलों के लिए जिम्मेदार आरोपियों की सूची को एयरपोर्ट और सुरक्षा एजेंसियों से साझा किया जाना चाहिए.

उधर, बम की धमकी देने वाले मामले में दिल्ली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है. इस मामले में दिल्ली पुलिस ने सात केस दर्ज किए हैं. दिल्ली पुलिस ने अक्टूबर में दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर बम की धमकियों से जुड़ी सात घटनाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए बताया कि गहन सत्यापन और निरीक्षण के बाद सभी धमकियों के अफवाह होने की पुष्टि हुई है.

दिल्ली पुलिस ने कहा कि इस तरह के दुरुपयोग के खिलाफ सख्त कदम सुनिश्चित करने और यात्रियों और एयरपोर्ट के संचालन की सुरक्षा बनाए रखने के लिए इन झूठे अलार्मों के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है.

राजनाथ-योगी और आडवाणी समेत 9 नेताओं की सुरक्षा से हटेंगे एनएसजी कमांडो

-केंद्र सरकार का बड़ा फैसला एनएसजी की जगह लेंगे सीआरपीएफ जवान

नई दिल्ली,(ईएमएस)। केंद्र सरकार ने नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (एनएसजी) को वीआईपी सिक्योरिटी से हटाने का अहम फैसला बुधवार को लिया है। इन कमांडोज की जगह केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएम) के जवान लेंगे। यह आदेश अगले माह से लागू हो जाएगा। देश में मौजूदा समय में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व लाल कृष्ण आडवाणी समेत 9 ऐसे नेता हैं, जिन्हें सिक्योरिटी के तौर पर एनएसजी के ब्लैक कैट कमांडो मिले हुए हैं।

केंद्र सरकार ने बुधवार को बड़ा फैसला लेते हुए एनएसजी कमांडो को वीआईपी सुरक्षा से हटाते हुए उनकी जगह सीआरपीएफ जवानों को लगाया जाएगा। पार्लियामेंट की सुरक्षा में लगे रिटायर्ड सीआरपीएफ जवानों को स्पेशल ट्रेनिंग देकर वीआईपी सिक्योरिटी विंग में भेजा गया है। इसके लिए बनाई गई नई बटालियन की ट्रेनिंग पूरी होने के बाद वीआईपी सुरक्षा में तैनात किया जाएगा। यहां बताते चलें कि सीआरपीएफ के पास पहले से ही 6 वीआईपी सिक्योरिटी बटालियन मौजूद हैं।

इन्हें मिले हैं एनएसजी कमांडो

फिलहाल रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, पूर्व उप-प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, बसपा सुप्रीमो मायावती, केंद्रीय जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह, जम्मू और कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद, एनसी नेता फारूक अब्दुल्ला और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की सुरक्षा में एनएसजी कमांडों तैनात हैं। केंद्र के नए आदेश के बाद इनके पास से ये कमांडो हटा लिए जाएंगे।

बंगाल खाड़ी में उठा तूफान आज पुडुचेरी और नेल्लोर तट से टकराने की आशंका

कोलकाता,(ईएमएस)। बंगाल की दक्षिण-पश्चिम खाड़ी में दबाव का क्षेत्र चक्रवाती तूफान में बदल गया है और गुरुवार सुबह पुडुचेरी और नेल्लोर के बीच तूफान के तट से टकराने की आशंका है और इससे दक्षिण तट और रायलसीमा के कई स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। आंध्र प्रदेश आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मौसम विभाग ने कहा कि तूफान के गुरुवार सुबह पुदुचेरी और नेल्लोर के बीच तट के पास टकराने की उम्मीद है। तट के किनारे हवाएं चल रही हैं जिनके 40-60 किमी/घंटा की गति होने की उम्मीद है।

चेन्नई और तमिलनाडु के कई इलाकों में विगत दिवस हुई भारी बारिश से शहर में आवागमन पूरी तरह से ठप हो गया। रिहायशी इलाकों और सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया। बारिश के कारण यातायात थम सा गया है। सार्वजनिक परिवहन सेवाएं बाधित हो गईं और कई घरेलू उड़ानें रद्द करनी पड़ी हैं। दक्षिणी रेलवे ने जलभराव के चलते चेन्नई सेंट्रल-मैसूर कावेरी एक्सप्रेस सहित चार एक्सप्रेस ट्रेनों को रद्द कर दिया है। कई ट्रेनों का मार्ग परिवर्तित किया गया है कुछ को चेन्नई सेंट्रल रेलवे स्टेशन से पहले ही रोक दिया था। कई घरेलू उड़ानें रद्द की गईं हैं क्योंकि पर्याप्त संख्या में यात्री नहीं आए। आईएमडी के मुताबिक चिह्नित निम्न दबाव क्षेत्र एक अवसाद में बदल गया है और गुरुवार सुबह चेन्नई तट को पार करने की उम्मीद है।

आईएमडी ने कहा कि तिरुवल्लूर, कांचीपुरम, चेंगलपट्टू और चेन्नई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश और एक या दो स्थानों पर मूसलाधार भारी बारिश होने की संभावना है। कर्नाटक के राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने कहा कि भारी बारिश के पूर्वानुमान के बाद बेंगलुरु में आपदा प्रतिक्रिया बल के जवानों को तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि किसी भी जरुरत के लिए 40 कर्मियों को तैनात किया जा रहा है। हमने तत्काल प्रतिक्रिया के लिए अग्निशमन और आपातकालीन सेवाओं को स्टैंडबाय पर रखा है।

देश का नवनिर्मित संसद भवन वक्फ बोर्ड की जमीन पर बना है - मौलाना बदरुद्दीन अजमल

गुवाहाटी (ईएमएस)। आल इंडिया यूनाईटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट के नेता मौलाना बदरुद्दीन अजमल ने कहा है कि देश का नवनिर्मित संसद भवन वक्फ बोर्ड की जमीन पर बना है। अजमल ने कहा कि, सभी सेक्युलर पार्टियां वक्फ बिल का विरोध कर रही हैं। दो दिन में दो बैठकें हो चुकी हैं। सारे धर्मनिरपेक्ष दलों के सांसदों ने जेपीसी की बहिष्कार किया है। उन्होंने कहा कि, जेपीसी के चेयरमैन जगदंबिका पाल एक कम्युनल आदमी हैं, उनके साथ हमको न्याय नहीं मिलेगा।

बदरुद्दीन अजमल के अनुसार, पांच करोड़ लोगों ने समिति को संदेश भेजे हैं, जिसमें विधेयक का बहिष्कार करने का आग्रह किया गया है। यह व्यापक असंतोष को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि, हमारी जमीयत उलेमा-ए-हिंद इस मामले में अब तक चुप थी लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि गवर्नमेंट की नीयत खराब है। हमारे पास हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट बाकी है। न्यायालय से हमको इंसाफ मिलेगा। हम लोगों ने जमीयत की एक कमेटी बना दी है, वह फॉलोअप करेगी। अजमल ने यह भी घोषणा की है कि, जमीयत उलेमा-ए-हिंद बिल को चुनौती देगा और असम में वक्फ बोर्ड की जमीनों का सर्वेक्षण करेगा।

उन्होंने आगे एक ऐसा दावा भी किया जो कि विवादास्पद हो सकता है। उन्होंने कहा कि, भारत में नवनिर्मित संसद भवन वक्फ की जमीन पर बना है। अजमल के इस दावे से प्रस्तावित कानून को लेकर चल रही बहस में और गर्मी आ गई है।

अमेरिकी सलाह दरकिनार.....बेरूत में बम बरसा रहा इजराइल

बेरूत (ईएमएस)। इजरायल लगातार हिजबुल्लाह के ठिकानों पर भीषण बमबारी कर रहा है। इस बीच इजरायली विमानों ने बुधवार को तड़के बेरूत के दक्षिणी इलाकों में हमले किए हैं। इन हमलों में हताहत होने वालों की संख्या अभी नहीं आई है। यह हमला तब हुआ है जब एक दिन पहले लेबनान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री नजीब मिकाती ने कहा था कि अमेरिकी सरकार ने इजरायल द्वारा बेरूत में हो रहे हमलों में कमी लाने के कुछ आश्वासन दिया हैं।

इजरायल का कहना है कि वह बेरूत के उपनगरों में हिजबुल्लाह की संपत्तियों को निशाना बना रहा है जहां यह आतंकवादी समूह मौजूद है। लेकिन, साथ ही यह एक व्यस्त रिहायशी और वाणिज्यिक इलाका भी है। इजरायली सेना ने कहा कि बुधवार को हमले में एक रिहायशी इमारत में हथियारों के एक गोदाम को निशाना बनाया गया।

हिजबुल्लाह ने फलस्तीनी आतंकवादी समूह हमास के प्रति एकजुटता जताते हुए आठ अक्टूबर को इजरायल में रॉकेट दागने शुरू किए थे। इससे पहले, लेबनान की मीडिया ने बताया कि काना में मंगलवार देर रात इजरायली हमलों में 15 लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हुए हैं।

सीएम बनने का सपना देख रहे...विज बने नायब सैनी के प्रस्तावक

चंडीगढ़ (ईएमएस)। हरियाणा में भाजपा विधायक दल की बैठक हुई है। विधायक दल की बैठक में नायब सिंह सैनी को सर्वसम्मति से नेता चुना गया। सैनी के नाम का प्रस्ताव अंबाला कैंट से विधायक अनिल विज और नरवाना के विधायक कृष्ण कुमार बेदी ने रखा। बता दें कि विज कई बार हरियाणा के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर अपनी दावेदारी पेश कर चुके हैं।

दरअसल विज ने 15 सितंबर को कहा था कि मैं 6 बार विधायक हूं और सातवीं बार चुनाव लड़ रहा हूं। मुझे सीएम बनने के लिए जनता के बहुत दबाव का सामना करना पड़ रहा है। 5 अक्टूबर को चुनाव के दिन भी विज ने कहा था कि अगर हाईकमान चाहेगा तब आप सभी से मेरी अगली मुलाकात सीएम हाउस में होगी। बुधवार को भाजपा विधायक दल की बैठक पंचकूला में बीजेपी के पंचकमल कार्यालय में हुई। बैठक में बतौर पर्यवेक्षक केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव आए थे। विधायक दल की बैठक में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, मनोहर लाल और राव इंद्रजीत और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली के साथ भाजपा के सभी विधायक मौजूद रहे। बैठक में विज और बेदी ने सैनी के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद सैनी गृह मंत्री शाह के साथ राजभवन पहुंचे। वे राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। बता दें कि गुरुवार को यानी 17 अक्टूबर को हरियाणा के नए मुख्यमंत्री का शपथ होगा। सैनी के शपथ ग्रहण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहने वाले है।

किसानों को दीवाली की सौगात एमएसपी में बढ़ोत्तरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। बुधवार को मोदी सरकार की कैबिनेट बैठक हुई। बैठक में किसानों के लिए कई फैसले लिये गए हैं। कैबिनेट ने रबी सीजन 2025-26 के लिए एमएसपी को लेकर भी फैसला लिया है। बता दें कि कैबिनेट ने 6 फसलों के लिए एमएसपी बढ़ाने की मंजूरी दी है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी देकर कहा कि फसलों की एमएसपी पर 300 रुपये प्रति क्विंटल तक का इजाफा किया है। वहीं फसलों की मार्जिन लागत में भी 50 फीसदी का इजाफा किया गया।

फसल	कितनी बढ़ी एमएसपी
गेहूं	2425 रुपये प्रति क्विंटल
जौ	130 रुपये प्रति क्विंटल
चना	210 रुपये प्रति क्विंटल
मसूर	275 रुपये प्रति क्विंटल
सरसों	300 रुपये प्रति क्विंटल
कुसुंभ	140 रुपये प्रति क्विंटल

अब न्याय की देवी खुली आँखों से देख सकेगी, न्याय की देवी की आखों की पट्टी हटी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय न्यायपालिका ने ब्रिटिश एरा को पीछे छोड़ते हुए नया रंग-रूप अपनाना शुरू कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट का ना केवल प्रतीक बदला है बल्कि सालों से न्याय की देवी की आंखों पर बंधी पट्टी भी हट गई है। जाहिर है कि सुप्रीम कोर्ट ने देश को संदेश दिया है कि अब कानून अंधा नहीं है।

प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ के निर्देश पर न्याय की देवी में बदलाव कर दिया गया है। ऐसी ही स्टैच्यू सुप्रीम कोर्ट में जजों की लाइब्रेरी में लगाई गई है। जो पहले न्याय की देवी की मूर्ति होती थी। उसमें उनकी दोनों आंखों पर पट्टी बंधी होती थी। साथ ही एक हाथ में तराजू जबकि दूसरे में सजा देने की प्रतीक तलवार होती थी। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ का मानना था कि अंग्रेजी विरासत से अब आगे निकलना चाहिए। कानून कभी अंधा नहीं होता। वो सबको समान रूप से देखता है। इसलिए न्याय की देवी का स्वरूप बदला जाना चाहिए। साथ ही देवी के एक हाथ में तलवार नहीं, बल्कि संविधान होना चाहिए; जिससे समाज में ये संदेश जाए कि वो संविधान के अनुसार न्याय करती हैं।

सूत्रों के मुताबिक, सीजेआई चंद्रचूड़ के निर्देशों पर न्याय की देवी की मूर्ति को नए सिरे से बनवाया गया। सबसे पहले एक बड़ी मूर्ति जजेज लाइब्रेरी में स्थापित की गई है। यहां न्याय की देवी की आंखें खुली हैं और कोई पट्टी नहीं है, जबकि बाएं हाथ में तलवार की जगह संविधान है। दाएं हाथ में पहले की तरह तराजू ही है।

न्याय की देवी की वास्तव में यूनान की प्राचीन देवी हैं, जिन्हें न्याय का प्रतीक कहा जाता है। इनका नाम जस्टिया है। इनके नाम से जस्टिस शब्द बना था। इनके आंखों पर जो पट्टी बंधी रहती है, उसका भी गहरा मतलब है। आंखों पर पट्टी बंधे होने का मतलब है कि न्याय की देवी हमेशा निष्पक्ष होकर न्याय करेंगी। किसी को देखकर न्याय करना एक पक्ष में जा सकता है। इसलिए इन्होंने आंखों पर पट्टी बांधी थी।

यूनान से ये मूर्ति ब्रिटिश पहुंची। 17वीं शताब्दी में पहली बार इसे एक अंग्रेज अफसर भारत लेकर आए थे। ये अंग्रेज अफसर एक न्यायालय अधिकारी थे। ब्रिटिश काल में 18वीं शताब्दी के दौरान न्याय की देवी की मूर्ति का सार्वजनिक इस्तेमाल किया गया। बाद में जब देश आजाद हुआ, तो तत्कालीन सरकार ने भी न्याय की देवी को स्वीकार किया।

झारखंड के 55 नाम फाइनल बीजेपी कभी भी कर सकती हैं ऐलान

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय चुनाव आयोग के द्वारा झारखंड विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद सभी पार्टियां चुनावी मोड में है। उम्मीदवारों के नाम को लेकर चर्चा गर्म है। सभी पार्टियों में उम्मीदवारों के नाम फाइनल करने में जुटी हैं। इसी बीच उम्मीदवारों के नाम की घोषणा को लेकर बीजेपी शायद इसमें बाजी मारती हुई दिख रही है। बीजेपी केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में झारखंड के करीब 55 उम्मीदवारों के नाम पर मुहर लग गई है। पार्टी बहुत जल्द अपने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर सकती है।

बता दें विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा के बाद नई दिल्ली में प्रत्याशियों के नाम पर मंथन हुआ। इसके पहले दिन भर चली बैठकों के बाद प्रदेश के शीर्ष नेताओं की ओर से विधानसभावार प्रत्याशियों के नाम शॉर्टलिस्ट हुए है। देर शाम इस सूची में शामिल प्रत्याशियों के नाम पर केंद्रीय चुनाव समिति ने मंथन किया। जिसके बाद कहा जा रहा हैं कि जल्द इन नामों को ऐलान बीजेपी कर सकती है।

झारखंड में दो चरणों में वोटिंग

झारखंड में इस बार दो चरणों में चुनाव होगा। पहले चरण का चुनाव 13 और दूसरे चरण के लिए 20 नवंबर को वोटिंग होगी। नतीजे 23 नवंबर को आएंगे। वहीं चुनाव की तारीखों की घोषणा के साथ झारखंड में राजनीतिक दलों ने तैयारी तेज कर दी है।

केंद्र सरकार ने दिया दिवाली गिफ्ट, कर्मचारियों को बढ़ाया महंगाई भत्ता

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने केंद्र सरकार के कर्मचारियों को महंगाई भत्ते (डीए) और पेंशनभोगियों को महंगाई राहत (डीआर) की अतिरिक्त किस्त को मंजूरी दे दी है। यह वृद्धि 01 जुलाई, 2024 से प्रभावी होगी, जो मूल वेतन/पेंशन के 50 प्रतिशत की मौजूदा दर से 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाती है, ताकि बढ़ती महंगाई से राहत प्रदान की जा सके।

यह वृद्धि 7वें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुरूप की गई है। डीए और डीआर दोनों में धनराशि भुगतान से राजकोष पर प्रति वर्ष 9,448.35 करोड़ रुपये का प्रभाव पड़ेगा। इससे केन्द्र सरकार के लगभग 49.18 लाख कर्मचारियों और 64.89 लाख पेंशनभोगियों को लाभ मिलेगा।

एमवीए को अबू आजमी की धमकी, सपा को हल्के में मत लेना.....12 सीटें देना

हीं मानी बात, अपने दम पर चुनाव लड़ने को तैयार

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए बिगुल बजा चुका है। महाराष्ट्र में एक चरण में चुनाव होने हैचुनाव को लेकर अब समाजवादी पार्टी के मुंबई और महाराष्ट्र अध्यक्ष अबू आजमी ने महाविकास अघाड़ी के घटक दलों के नेताओं कांग्रेस,उद्धव ठाकरे और शरद पवार कोनसीहत दे दी है। सपा नेता आजमी ने कहा है कि उनसे चर्चा किए बिना उम्मीदवारों की लिस्ट न जारी की जाए। अगर ऐसा हुआ तब सपा महाविकास अघाड़ी से बाहर निकल जाएगी।

आजमी ने कहा कि एमवीए नेता सपा का उनके गठबंधन में अपमान न करें। अब तक एमवीए की कई बैठकें हुईं लेकिन उन्हें सिर्फ एक बैठक में बुलाकर सिर्फ 5 मिनट चर्चा की गई।सपा वर्तमान में देश की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी है, उसे हल्के में ना लिया जाए। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी को विश्वास में नहीं लिया और उचित हिस्सेदारी नहीं दी, तब सपा अन्य किसी गठबंधन यानी थर्ड फ्रंट या प्रकाश अंबेडकर के साथ या अकेले महाराष्ट्र के 2 दर्जन से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ेगी और फिर यदि मुस्लिम वोटों का बंटवारा हुआ, तब उसके लिए महाविकास अघाड़ी जिम्मेदार होगी।

आजमी ने कहा कि महाराष्ट्र में सपा ने 12 सीटों की मांग एमवीए से की है। पांच सीटों पर समाजवादी पार्टी ने तैयारी पूरी कर रखी है। आजमी ने उन 5 सीटों का नाम भी गिनाया। जिसमें मानखुर्द शिवाजीनगर गोवंडी, भिवंडी ईस्ट, भिवंडी वेस्ट, मालेगांव, धुले सीट पर तैयारियां समाजवादी पार्टी ने कर ली है। इसके अलावा मुंबई की अनुशक्ति नगर सीट, वर्सोवा, औरंगाबाद ईस्ट, बालापुर, भाइखला, ऐसी कुल मुस्लिम बहुल 12 सीटें हैं जिसकी मांग समाजवादी पार्टी ने महाविकास अघाड़ी से की है। आजमी ने कहा कि 18 और 19 अक्तूबर को अखिलेश महाराष्ट्र के दो दिन के दौरे पर आएंगे। मालेगांव और धुले में वे दौर करने वाले है।

ऐसा क्या हुआ.....कश्मीर के मुददे पर चुप्पी साधे रहे प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ

इस्लामाबाद (ईएमएस)। एससीओ बैठक में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इजरायल-गाजा संघर्ष पर अंतर्राष्ट्रीय ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया, लेकिन कश्मीर मुद्दे पर चुप्पी साधे रखी। अपने इस बयान के साथ पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शरीफ ने बुधवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की शासनाध्यक्षों की परिषद (सीएचजी) की बैठक का समापन हुआ। इस महत्वपूर्ण बैठक के दौरान शरीफ ने इजरायल-गाजा संघर्ष पर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से तत्काल ध्यान केंद्रित करने की अपील की। दिलचस्प यह है कि पाकिस्तान के लंबे समय से विवादित कश्मीर मुद्दे चुप दिखाई दिया, जो शरीफ के सतर्क रुख को दर्शाता है।

इस्लामाबाद स्थित जिन्ना कन्वेंशन सेंटर में आयोजित बैठक में रूस को एससीओ की अध्यक्षता सौंपते समय, शरीफ ने कश्मीर मुद्दे पर बोलने से परहेज किया, जबकि यह लंबे समय से भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव का प्रमुख कारण रहा है। इसके पहले के कई मंचों पर पाकिस्तान की ओर से कश्मीर का मुद्दा उठाया जाता रहा था, लेकिन इस बार शरीफ ने कश्मीर मुददे पर चुप्पी रखना ही बेहतर समझा है। अपने समापन भाषण में शरीफ ने राजनीतिक मतभेदों और विभाजनों के बावजूद सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, आइए, हम राजनीतिक मतभेदों और विभाजनों से ऊपर उठकर सहयो

जन हितैषी

मणिपुर में जागी आशा की किरण

17 महीने के बाद मणिपुर में एक आशा की किरण देखने को मिल रही है। मणिपुर के मैत्री कुकी और नगा समुदाय के नेताओं ने एक मंच पर आकर मणिपुर की हिंसा और मणिपुर में विभिन्न समुदायों के बीच में जो विवाद है उसको लेकर बातचीत की है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस बार सही तरीके से पहल की है। मेतई कुकी और नगा समुदाय के 20 विधायकों को दिल्ली बुलाया गया और समस्या का समाधान निकालने की कोशिश की गई। इस बैठक में गृहमंत्री और मणिपुर के मुख्यमंत्री प्रत्यक्ष तौर पर शामिल नहीं हुए। विधायकों के साथ खान मार्केट स्थित इंटेलिजेंस ब्यूरो के कार्यालय में यह बैठक आयोजित हुई। इस अहम बैठक में पूर्वोत्तर के संयुक्त निदेशक राजेश कांबले, भाजपा समन्वयक संबित पात्रा, केंद्र सरकार के सुरक्षा सलाहकार एके मिश्रा और मणिपुर के 20 विधायक इस बैठक में शामिल हुए थे। बैठक के दौरान सभी समुदाय के विधायकों ने अपनी-अपनी राय रखी। उनकी जो मांगें थीं और जो सुझाव दिए गए थे वो भी उन्होंने सभी के सामने रखे। इस तरह से पिछले डेढ़ साल में पहली बार मणिपुर में विभिन्न समुदाय के लोगों को अपनी बात सही मंच में रखने का अवसर मिला है। पिछले 17 महीनों से जो तनाव बना हुआ था, आपस में बातचीत तक नहीं हो रही थी, मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को लेकर विधायकों को जो शिकायतें थीं वह भी खुलकर उन्होंने सामने रखीं। लगभग डेढ़ घंटे तक चली इस अहम बैठक के दौरान कुकी समुदाय के विधायकों ने अपनी तीन मांगें रखीं हैं। इनमें पहली मांग थी कि भारत सरकार मणिपुर की लीडरशिप को बदले और मुख्यमंत्री पद से तुरंत बीरेन सिंह को हटाया जाए। सूत्र बताते हैं कि इस मांग को कुकी समुदाय ने जरुर उठाई लेकिन उसका समर्थन बैठक में शामिल अन्य विधायकों ने भी किया। कुकी समुदाय की दूसरी मांग थी कि कुकी इलाकों में निष्पक्ष प्रशासनिक अमले की तैनाती की जाए और तीसरी मांग हथियारबंद समूह को गैर कानूनी संगठन घोषित कर उन पर तत्काल कार्रवाई की जाए।

मणिपुर विधानसभा में कुल 60 विधायक हैं। इनमें आदिवासी समुदाय के 10 नगा और 10 कुकी समुदाय के विधायक हैं। मंगलवार को दिल्ली में हुई बैठक में 9 आदिवासी विधायक शामिल हुए थे। केंद्रीय गृह मंत्रालय और राज भवन ने इस बैठक के लिए प्रयास किया था जो सफल होते दिखे हैं। मणिपुर में 28 मैतई विधायक हैं। इनमें से 17 विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष से मिलकर मणिपुर में शांति स्थापित करने के लिए पहल की थी। कुकीज समुदाय के सभी संगठनों ने मिलकर कुकी काउंसलिंग बनाई। इसका मकसद था कि सभी समुदाय के लोगों की बात को आम राय के साथ काउंसिल में रखी जा सके। केंद्र सरकार भी काउंसिल से बात करने के लिए सहमत हुई। काउंसिल में नगा समुदाय को भी प्रतिनिधित्व दिया गया। 17 माह बाद सही तरीके से मणिपुर में हिंसा को रोकने और समस्या के समाधान में सही दिशा में प्रयास शुरू किया गया है। इस बैठक से मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह को दूर रखा गया है। इसके पीछे जो लॉजिक बताया गया वह यह था कि मुख्यमंत्री बैठक से दूर रहे तब जाकर इस बैठक के लिए उपयुक्त माहौल बन पाया। यदि यह सच है तो फिर अब देखना यह होगा कि केंद्र सरकार इस मामले को किस तरह से सुलझाती है। मणिपुर के सभी समुदायों के बीच में लगातार हिंसा के बाद अब एक आशा की किरण दिखाई दी है और कहा जा सकता है कि अब आपसी बातचीत के जरिए तीनों समुदायों के बीच के विवाद को सुलझाया जा सकेगा। केंद्र सरकार को अब इस मामले में पहल करनी है। इसके लिए मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह को बदला भी जा सकता है। समस्या के समाधान निकालने के लिए केंद्र सरकार इससे पहले एक मौका खो चुकी है। मणिपुर में राज्यपाल के रूप में अनसुईया उइके ने अपने स्तर पर सभी समुदाय के साथ बातचीत करके विवाद को सुलझाने की चेष्टा की थी, लेकिन केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा उनका उपयोग उस समय नहीं किया गया। केंद्रीय गृह मंत्रालय मुख्यमंत्री के कहने पर आंख मूंदकर कार्रवाई करता रहा, जिसके कारण बार-बार हिंसा फैलती रही। 17 महीने में पहली बार - मुख्यमंत्री बीरेन सिंह की गैरमौजूदगी में यह बैठक हुई है। काउंसिल पर भी फैसला हो गया है। अतः ग्रह मंत्रालय और केंद्र सरकार को इस मामले में संवेदनशीलता के साथ इस मामले को सुलझाने के लिए त्वरित रूप से आवश्यक निर्णय लेने होंगे। मणिपुर के विवाद को सुलझाना है तो इसमें ऐसे लोगों को आगे लाना पड़ेगा, जिनके ऊपर तीनों समुदाय का विश्वास हो, तभी यह मामला आसानी से सुलझ पाएगा।

साइबर ठगी का बढ़ता दायरा, सज्जनों पर संकट

आधुनिक संचार क्रांति के युग में मोबाइल एवं इंटरनेट जितने लाभदायक हैं उससे ज्यादा हानिकारक भी हैं। मोबाइल एवं इंटरनेट के माध्यम से भारत ही नहीं दुनिया में आए दिन साइबर ठगी की घटनाएं सुनने में आ रही है साइबर अपराध करने वालों की गैंग जानबूझकर ऐसे समय संबंधित को निशाना बनाते हैं जब वह विचार ही नहीं कर पाता और उनके द्वारा जितनी राशि की मांग की जाती है तत्काल उनके खाते में डाल देते हैं। इसके बाद पछतावा ही हाथ रहता है। मैं साइबर ठगी की कुछ घटनाओं का यहां पर उल्लेख करना चाहूंगा गुना जिले में श्री द्वारका प्रसाद शर्मा महिला बाल विकास विभाग में लिपिक हैं, इनको अपरिचित मोबाइल से फोन आया और मोबाइल नंबर का केवाईसी करने की बात कही ओटीपी पूछा और बैंक खाते से ?16000 निकल लिये ।श्री बलवीर सिंह गुर्जर निवासी साडा कॉलोनी राघौगढ़ सेवानिवृत्त गुना तहसीलदार रीडर इनके पंजाब नेशनल बैंक शाखा साडा कॉलोनी राघौगढ़ के खाते में किसी ने ?1 जमा किया उन्होंने जैसे ही मोबाइल खोलकर बैंक अकाउंट देखा उनके बैंक खाते से पहली बार रुपए 9970, दूसरे बार 9999 कट गए।

उन्होंने तत्काल बैंक शाखा में जाकर अपना खाता ब्लॉक कराया। रुठियाई तहसील राघौगढ़ निवासी रविंद्र सिंह परिहार के पास फोन आया और बताया कि आपका बेटा पुलिस थाने में बैठा है उन्होंने कहा कि मेरा बेटा तो नौकरी पर है उधर से कहा आपका बेटा एक लड़की के साथ होटल में अनैतिक कार्य करते हुए पकड़ा गया है। अपने बेटे को बचाना है तो तत्काल तीन लाख रुपए खाते में डालो। उन्होंने अपनी पत्नी से कहा बेटे को फोन लगाओ। उन्होंने बेटे से पूछा कहां हो बेटे कहा कि मैं तो ऑफिस में हूं फिर उन्होंने जिनका फोन आया था बेटा का फोन कनेक्ट कर बात करवायी।बेटे ने उनसे भला बुरा कहा तब फोन काट दिया।एक सेवानिवृत अधिकारी जिनकी लड़की इंदौर में पढ़ती है घटना चार माह पुरानी है उनके पास फोन आया आपकी बेटी थाने में बैठी है अनैतिक स्थिति में होटल में पकड़ी है उन्होंने दूसरे नंबर से बेटी को फोन लगाया बेटी कॉलेज में थी फोन बंद था इस कारण बात नहीं हो सकी। जिनका फोन आया था उन्होंने कहा अपनी बेटी को बचाना चाहते हो तो तत्काल ?6 लाख रुपए खाते में डालो घबराहट में उन्होंने तीन लाख रुपये खाते में भेज दिये ।फिर लड़की का फोन आया कि पापा जी फोन क्यों किया। तब उन्होंने सारी घटना बतायी। उनके साथ साइबर ठगी हो गई ।मैं स्वयं भी साइबर ठगी से होते-होते बचा फोन आया मेरे से कहा कि आपके मोबाइल नंबर की केवाईसी होना है मैंने उनसे कहा मेरा नंबर तो एयरटेल का है अब बी एस एन एल में केवाईसी क्यों हो रही है तो उधर से जवाब आया आपकी सिम पुरानी है पहले बी एस एन एल की थी ।इसलिए आपको 24 घंटे के अंदर केवाईसी करना आवश्यक है अन्यथा सिम बंद हो जाएगी ।मैंने उनसे पूछा कि मुझे क्या करना है उन्होंने कहा कि हम आपको एक प्रोफार्मा भेज रहे हैं उसमें हम जो जानकारी पूछे उनका आप मोबाइल चालू रखकर हमें जवाब देते जाएं। मैंने उनके कुछ प्रश्नों के उत्तर दिए थोड़ी देर बाद मेरी पौत्री 14 वर्षीय तन्वी जैन मेरे पास आई और बोली दादाजी मुझे ऐसा लग रहा है आप साइबर ठगी के शिकार होने वाले हैं। आप तत्काल इस नंबर को काट दें और इस नंबर को ब्लॉक कर दें। इस प्रकार में साइबर ठगी से बच पाया । साइबर ठगी की ही यह घटना मेरे मित्र श्री राघवेंद्र सिंह परिहार सेवानिवृत्ति कृषि अधिकारी राघौगढ़ ने मुझे बताया मैं ऑनलाइन दवाइयां मंगाता था। उनके लिए अपरिचित नंबर से फोन आया और कहा कि आप जिस कंपनी से दवाइयां ऑनलाइन मांगते हैं उस कंपनी ने ड्रा निकाला है ड्रा में आपके नाम कार निकली है आपको बधाईयां।परिहार जी ने उनसे पूछा मुझे क्या करना है उन्होंने कहा कार तो हम आपके लिए कोलकाता में डिलीवरी दे देंगे या फिर आप कहेंगे तो आपके निवास पर पहुंचा देंगे। आपको मात्र इतना करना है आप रजिस्ट्रेशन के पैसे हमारे खाते में डाल दो ।उन्होंने कहा मेरा भतीजा कोलकाता में ही सर्विस में है वह आपसे मिलेगा कहां मिलना है पता आप मुझे भेजिए दूसरी ओर से पता नहीं आया और वह साइबर ठगी से बच गये। पिछले माह एसिया के बड़े उद्योग पति ओसवाल ग्रुप लुधियाना के मालिक की भारत की संभवतः अभी तक की सबसे बड़ी सायवर ठगी हुई। यह ठगी साढ़े सात करोड़ रुपये की थी। इस सायवर ठगी का समाचार देश के अनेक समाचार पत्रों में प्रमुखता से प्रकाशित हुआ। वर्तमान में साइबर ठगी की घटनाओं में निरंतर वृद्धि हो रही है आम भोले भाले नागरिक उनके जाल में फंसकर अपना नुकसान कर रहे हैं। मोबाइल एवं इंटरनेट का उपयोग करते समय हर व्यक्ति की जागरूकता आवश्यक है के वाई सी के झांसे में ना आए ओटीपी ना भेजें। (लेखक – विजय कुमार जैन/ ईएमएस) (लेखक वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार एवं भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष हैं)

डाकू से ऋषि बने वाल्मीकि ने रामायण रची

महर्षि वाल्मीकि जयंती- 17 अक्टूबर, 2024)

महापुरुषों की कीर्ति किसी एक युग तक सीमित नहीं रहती। उनका लोकहितकारी चिन्तन, कर्म एवं उपलब्धि कालजयी होती है और युगों-युगों तक समाज का मार्गदर्शन करती है। महर्षि वाल्मीकि हमारे ऐसे ही एक प्रकाश-स्तंभ हैं, जिनकी जयंती का सनातन धर्म में बहुत ही खास महत्व है। डाकू से ऋषि बने वाल्मीकि ने हिन्दू धर्म के महान् रामायण जैसे महाकाव्य की रचना की थी। ऋषि वाल्मीकि सबसे महान संस्कृत कवियों में से एक थे। उन्हें आदिकवि के नाम से भी जाना जाता है। ऋषि वाल्मीकि ने जिस रामायण की रचना की वो वाल्मीकि रामायण के नाम से जानी जाती है। ऐसा माना जाता है कि अपने वनवास के समय भगवान श्रीराम वाल्मीकि के आश्रम भी गए थे। वाल्मीकिजी को भगवान श्रीराम के जीवन में घटित घटनाओं की जानकारी थी। कहा जाता है कि ऋषि वाल्मीकि को तीनों कालों सतयुग, त्रेता और द्वापर का ज्ञान था। महाभारत काल में भी वाल्मीकिजी का उल्लेख मिलता है।

वाल्मीकि जयंती हर साल आश्विन महीने की शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि के दिन मनायी जाती है। उनकी जन्मतिथि आज भी विवादों में ही है, क्योकि उनके जन्म के बारें मे कोई पुख्ता सबूत नहीं मिला है जिससे उनकी सही जन्म तिथि के बारे मे कुछ भी कहा जा सके। लेकिन रामायण के समयकाल को शामिल करते हुए यह कहा जाता है, कि वह पहली शताब्दी से लेकर पांचवीं शताब्दी के बीच के रहे होगें। वे एक संत थे और वो एक साधारण जीवन और उच्च विचार रखने वाले व्यक्ति थे। वे बहुत ज्ञानी होने के साथ-साथ एक महान व्यक्तित्व थे। हिंन्दू पौराणिक कथाओं अनुसार, वाल्मिकी ऋषि ही वह अलौकिक एवं दिव्य व्यक्ति थे, जिन्होंने देवी सीता को तब आश्रय दिया था, जब वो अयोध्या राज्य छोड़कर वन में चली गई थीं। यही नहीं मां ने उन्हीं के आश्रम में लव कुश को जन्म दिया था। महर्षि वाल्मीकि के आश्रम में ही लव कुश ने भगवान श्रीराम का अश्वमेध यज्ञ बांध लिया था। जिसकी वजह से श्रीराम को वाल्मीकि आश्रम में आना पड़ा था। यहीं पर पहली बार लव कुश अपने पिता श्रीराम से मिले थे। बाद में महर्षि वाल्मीकि ने श्रीराम को लव कुश से परिचय करवाया। देवी सीता के पृथ्वी माता की गोद में समा जाने पर वाल्मीकि ने लव कुश को भगवान श्रीराम को सौंप दिया।

मान्यता है कि महर्षि वाल्मीकि का जन्म एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। किंतु डाकुओं के संसर्ग में रहने के कारण ये लूटपाट और हत्याएं करने लगे और यही इनकी आजीविका का साधन हो गया। इन्हें जो भी मार्ग में मिलता वह उनकी संपत्ति लूट लिया करते थे। एक दिन इनकी मुलाकात देवर्षि नारद से हुई। इन्होंने नारदजी को लुटते हुए कहा कि तुम्हारे पास जो कुछ है उसे निकाल कर रख दो, नहीं तो तुम्हें जीवन से हाथ धोना पड़ेगा। देवर्षि नारद ने कहा, मेरे पास इस वीणा और वस्त्र के अलावा कुछ और नहीं है? तुम लेना चाहो तो इसे ले सकते हो, लेकिन तुम यह क्रूर कर्म करके भयंकर पाप क्यों करते हो?' देवर्षि की कोमल वाणि सुनकर वाल्मीकि का कठोर हृदय कुछ द्रवित हुआ। इन्होंने कहा, 'मेरी आजीविका का यही साधन है और इससे ही मैं अपने परिवार का भरण पोषण करता हूं।' देवर्षि बोले, तुम अपने परिवार वालों से जाकर पूछो कि वे तुम्हारे इन पाप कर्मों में भी हिस्सा बंटाएंगे या नहीं? वाल्मीकि ने परिजनों से उक्त प्रश्न पूछा तो सभी ने कहा कि यह तुम्हारा कर्तव्य है कि हमारा भरण पोषण करो परन्तु हम तुम्हारे पाप कर्मों में क्यों भागीदार बनें? परिजनों की बात सुनकर वाल्मीकि को आघात लगा। उनके ज्ञान नेत्र खुल गये। उनके जीवन की दिशा बदल गयी। इस घटना से रत्नाकर बहुत दुखी हुआ और गलत मार्ग का त्याग करते हुए श्रीराम की भक्ति में डूब गया।

महर्षि बाल्मीकि परिजनों की बात सुनने के बाद जंगल में पहुंचे और वहां जाकर देवर्षि नारद को बंधनों से मुक्त किया तथा विलाप करते हुए उनके चरणों में गिर पड़े और अपने पापों का प्रायश्चित करने का उपाय पूछा। नारदजी ने उन्हें धैर्य बंधाते हुए श्रीराम नाम के जप की सलाह दी। लेकिन चूंकि वाल्मीकि ने भयंकर अपराध किये थे इसलिए वह राम राम का उच्चारण करने में असमर्थ रहे तब नारदजी ने उन्हें मरा मरा उच्चारण करने को कहा। बार बार मरा मरा कहने से राम राम का उच्चारण स्वतः ही होने लगा। इस राम नाम के जप ने रत्नाकर डाकू का जीवन ही नहीं बदला बल्कि उनके भीतर अनेक अलौकिक, दिव्य एवं विलक्षण शक्तियों का प्रस्फुटन भी कर दिया था। उनके इस जप एवं तप से ब्रह्मदेव प्रसन्न हुए और उन्होंने वाल्मीकिजी को श्रीराम का चरित्र लिखने का आदेश दिया। उसके बाद वाल्मीकिजी ने रामायण की रचना की।

महर्षि वाल्मीकि का पालन जंगल में रहने वाली भील जाति में हुआ था, जिस कारण उन्होंने भीलों की परंपरा को अपनाया। स्कंद पुराण के नागर खंड में महर्षि वाल्मीकि को ब्राह्मण बताया गया है। पुराण के मुताबिक ब्राह्मण परिवार में जन्में वाल्मीकि के बचपन का नाम 'लोहजंघा' था और वह अपने माता-पिता के प्रति बहुत समर्पित थे। गोस्वामी तुलसीदास को रामायण के रचयिता वाल्मीकि का अवतार माना जाता है। वाल्मीकि को भगवान श्रीराम के जीवन की हर घटना का ज्ञान था, ऐसा प्रतीत होता है अपनी दिव्य साधना एवं सिद्धि से श्रीराम के सम्पूर्ण जीवन का साक्षात्कार किया हो। वे रामायण के रचयिता ही नहीं, बल्कि प्रभु श्रीराम के भाष्यकार भी है। तभी उन्होंने श्रीराम के जीवन एवं चरित्र को बहुत बारीकी से प्रस्तुति दी है।

ऋषि वाल्मीकिजी कहते है कि भगवान श्रीराम का चेहरा चंद्रमा की तरह चमकदार और सुंदर है। उनकी आंखों की तुलना कमल से की गई। आंखों के कोणों के ताम्र रंग को ताम्राक्ष और लोहिताश के रूप में व्यक्त किया है। ऋषि वाल्मीकि के अनुसार भगवान श्रीराम के बाल लंबे और घने थे। उनके अनुसार, भगवान श्रीराम की नाक उनके चेहरे की तरह लंबी और सुडौल थी। उन्होंने श्रीराम को महानासिका वाला बताया है। महानासिका से तात्पर्य उन्नत और दीर्घ नासिका से है। वहीं प्रभु श्रीराम के कानों के लिए उन्होंने टीकारों ने चतुर्दशसमद्वन्द और दशवृहत् जैसे शब्दों का प्रयोग किया है। जिसका अर्थ है कानों का सम और बड़ा होना। वाल्मीकि ने उनके कानों के लिए शुभ कुंडलों का प्रयोग भी किया है। महर्षि वाल्मीकि के अनुसार, प्रभु के हाथ के अंगूठे में चारों वेदों की प्राप्ति सूचक रेखा थी, जिसके चलते उन्हें चतुष्फलक कहा गया है। श्रीराम के चरण सम और कमल के समान बताए गए हैं।

मान्यता के अनुसार एक बार वाल्मीकिजी गहन तपस्या में बैठे थे। लंबे समय तक चले इस तप में वे इतने मग्न थे कि उनके पूरे शरीर पर दीमक लग गई। लेकिन उन्होंने बिना तपस्या भंग किए निरंतर अपनी साधना पूरी की। इसके बाद ही आंखें खोली। फिर दीमकों को हटाया। कहा जाता है कि दीमक जिस जगह अपना घर बना लेते हैं, उसे वाल्मीकि कहते हैं, इसलिए इन्हें वाल्मीकि के नाम से जाना जाने लगा। एक और घटना एवं मान्यता के अनुसार एक बार महर्षि वाल्मीकि ने एक बार पत्थर पर लिखी रामायण को देखा तो हैरान रह गए और सोचने लगे कि इतनी अच्छी रामायण किसने लिखी। इतने में हनुमानजी वहां प्रकट हो गए और बताया कि यह उनकी लिखी रामायण है। वाल्मीकि इससे दुखी हुए और बताया कि आपकी लिखी रामायण को पढ़ने के बाद मेरी रामायण कौन पढ़ेगा? हनुमानजी ने वाल्मीकि के मनोभाव को जान कर पत्थरों पर लिखी अपनी रामायण को उठाकर समुद्र में फेंक दिया। हनुमानजी ने वाल्मीकि से कहा कि आपकी रामायण ही अबसे दुनिया पढ़ेगी और प्रसिद्ध होगी। निश्चित ही रामायण की कालजयी लोकप्रियता एवं जन-आस्था ने उसे सनातन साहित्य और सर्वप्रिय धर्मग्रंथ का गौरव प्रदान किया है। भारत के घर-घर एवं सभी देशों में रामायण हिन्दू-धर्म-दर्शन का वैश्विक दूत बन गया है। उसकी लोकप्रियता सर्वोपरि है एवं हिन्दू धर्म के अनुयायी बाल्मीकि के सदैव ऋणि रहेंगे। (लेखक – ललित गर्ग/ईएमएस) (लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

गरीबी के शर्म के कलंक को धोना होगा

(अन्तर्राष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस- 17 अक्टूबर, 2024 पर विशेष)

अंतर्राष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस हर साल 17 अक्टूबर को मनाया जाता है। इस दिन को मनाने की शुरुआत 17 अक्टूबर, 1987 को हुई थी। उस दिन, पेरिस के ट्रोकाडेरो में एक लाख से ज्यादा लोग इकट्ठा हुए थे। इस दिन को मनाने का मकसद, अत्यधिक गरीबी, हिंसा, और भूख से पीड़ित लोगों को सम्मानित जीवन उपलब्ध कराना है। इस दिवस की 2024 की थीम है, 'सामाजिक और संस्थागत दुर्व्यवहार को समाप्त करना, न्यायपूर्ण, शांतिपूर्ण और समावेशी समाज के लिए मिलकर कार्य करना।' यह दिन गरीबी को कम करने के लिए सामूहिक कार्रवाई की ज़रूरत पर ज़ोर देता है। इस दिवस का मकसद गरीबों के संघर्षों और उनकी चिंताओं को सुनना, उन्हें गरीबी से बाहर आने में मदद करना और अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए सामूहिक कार्रवाई के महत्व पर ज़ोर देना भी है। जो गरीबी में रहने वाले लोगों और व्यापक समाज के बीच समझ और संवाद को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखता है। गरीबी को खत्म करना सिर्फ़ गरीबों की मदद करना नहीं है - बल्कि हर महिला और पुरुष को सम्मान के साथ जीने का मौका देना है। गरीबी किसी व्यक्ति के मानवाधिकारों का हनन है। यह न केवल अभाव, भूख और पीड़ा का जीवन जीने की ओर ले जाती है, बल्कि मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रताओं के आनंद का भी बड़ा अवरोध है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, 2022 के अंत तक विश्व की 8.4 प्रतिशत जनसंख्या, या लगभग 670 मिलियन लोग, अत्यधिक गरीबी में रह रहे थे। अनुमान है कि वैश्विक जनसंख्या का लगभग 7 प्रतिशत लगभग 575 मिलियन लोग 2030 तक भी अत्यधिक गरीबी में फंसे रह सकते हैं।

आजादी के अमृत काल में सशक्त भारत एवं विकसित भारत को निर्मित करते हुए गरीबमुक्त भारत के संकल्प को भी आकार देना होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार ने वर्ष 2047 के आजादी के शताब्दी समारोह के लिये जो योजनाएं एवं लक्ष्य तय किये हैं, उनमें गरीबी उन्मूलन के लिये भी व्यापक योजनाएं बनायी गयी है। विगत दस वर्ष एवं मोदी के तीसरे कार्यकाल में ऐसी गरीब कल्याण की योजनाओं को लागू किया गया है, जिससे भारत के भाल पर लगे गरीबी के शर्म के कलंक को धोने के सार्थक प्रयत्न हुए है एवं गरीबी की रेखा से नीचे जीने वालों को ऊपर उठाया गया है। वर्ष 2005 से 2020 तक देश में करीब 41 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए हैं तब भी भारत विश्व में एकमात्र ऐसा देश है जहां गरीबी सर्वाधिक है। वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक के अनुसार भारत में कुल 23 करोड़ गरीब हैं। यह स्पष्ट संकेत है कि तमाम कल्याणकारी योजनाओं के बावजूद गरीबी उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए नए विचारों एवं कल्याणकारी योजनाओं पर विमर्श के साथ गरीबों के लिये आर्थिक स्वावलम्बन-स्वरोजगार की आज देश को सख्त जरूरत है। गरीबों को मुफ्त की रेवड़िया बांटने एवं उनके वोट बटोरने की स्वार्थी राजनीतिक मानसिकता से उपरत होकर ही गरीबमुक्त संतुलित समाज संरचना की जा सकती है।

गरीबी पहले भी अभिशाप थी लेकिन अब यह संकट और गहराया है। गरीबी केवल भारत की ही नहीं, बल्कि दुनिया की एक बड़ी समस्या है। गरीबी एक गंभीर बीमारी है, किसी भी देश के लिए गरीबी एक बदनुमा दाग है। जब किसी राष्ट्र के लोगों को रहने को मकान, जीवन निर्वाह के लिये जरूरी भोजन, कपड़े, दवाइयां आदि जैसी चीजों की कमी महसूस होती है, तो वह राष्ट्र गरीब राष्ट्र की श्रेणी में आता है। इस गरीबी से मुक्ति के लिये सरकारें व्यापक प्रयत्न करती हैं। हम जिन रास्तों पर चल कर एवं जिन योजनाओं को लागू करते हुए देश में समतामूलक संतुलित समाज निर्माण की आशा करते हैं वे योजनाएं विषम और विषभरी होने के कारण सभी कुछ अभिनय लगता है, छलावा लगता है, भ्रम एवं फरेब लगता है। सब नकली, धोखा, गोलमाल, विषमताभरा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लोक राज्य, स्वराज्य, सुराज्य, रामराज्य का सुनहरा स्वप्न ऐसी नींव पर कैसे साकार होगा? क्योंकि यहां तो सारे राजनीति दल एवं लोकतंत्र को हांकने वाले सब अपना-अपना साम्राज्य खड़ा करने में लगे हैं। विश्व की सारी संपदा, सारे संसाधन गरीबी को मिटाने में लगते तो आज स्थिति बहुत भिन्न होती, किन्तु बीच में सत्ता की लालसा एवं विश्व पर साम्राज्य स्थापित करने की महत्वाकांक्षाओं ने व्यवधान खड़े कर दिये। इसी कारण जो संपदा है, वह मानव को सुखी, संतुलित या सामान्य बनाने की दिशा में नहीं लगी, संहारक अस्त्रों के निर्माण, आतंकवाद एवं युद्ध की मानसिकता में लगी। एक राष्ट्र दूसरे राष्ट्र को भयभीत रखने में अपनी ऊर्जा खपा रहा है, न कि गरीब इंसान की गरीबी दूर करने में।

आज का भौतिक दिमाग कहता है कि घर के बाहर और घर के अन्दर जो है, बस वही जीवन है। लेकिन राजनीतिक दिमाग मानता है कि जहां भी गरीब है, वही राजनीति के लिये जीवन है, क्योंकि राजनीति को उसी से जीवन ऊर्जा मिलती है। यही कारण है कि इस देश में सतहत्तर साल के बाद भी गरीबी कम होने के बजाय बढ़ती जा रही है, जितनी गरीबी बढ़ती है उतनी ही राजनीतिक जमीन मजबूती होती है। क्योंकि सत्ता पर काबिज होने का मार्ग गरीबी के रास्ते से ही आता है। बहुत बड़ी योजनाएं इसी गरीबी को खत्म करने के लिये बनती रही हैं और आज भी बन रही हैं। लेकिन गरीब खत्म होते गये और गरीबी आज भी कायम है। सरकारी योजनाओं की विसंगतियां ही है कि गांवों में जीवन ठहर गया है। बीमार, अशिक्षित, विपन्न मनुष्य मानो अपने को ढो रहा है। कह तो सभी यही रहे हैं--बाकी सब झूठ है, सच केवल रोटी है। रोटी केवल शब्द नहीं है, बल्कि बहुत बड़ी परिभाषा समेटे हुए है अपने भीतर। जिसे आज का मनुष्य अपनी सुविधानुसार परिभाषित कर लेता है। रोटी कह रही है-मैं महंगी हूँ तू सस्ता है। यह मनुष्य का घोर अपमान है। रोटी कीमती, जीवन सस्ता। मनुष्य सस्ता, मनुष्यता सस्ती। और इस तरह गरीब को अपमानित किया जा रहा है, यह सबसे बड़ा खतरा है। गरीब यानी जिसके पास धन उसकी जरूरत से कम हो या जो दो वक्त की रोटी की जुगाड़ नहीं कर सकता। जो अपनी बूढ़ी मां का इलाज नहीं करवा सकता। जो अपने बच्चों की फीस नहीं भरवा सकता।

गरीबी व्यक्ति को बेहतर जीवन जीने में अक्षम बनाता है। गरीबी के कारण व्यक्ति को जीवन में शक्तिहीनता और आजादी की कमी महसूस होती है। गरीबी उस स्थिति की तरह है, जो व्यक्ति को अपनी इच्छानुसार कुछ भी करने में अक्षम बनानी है। गरीबी ऐसी त्रासदी एवं दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थिति है जिसका कोई भी अनुभव नहीं करना चाहता। एक बार महात्मा गांधी ने कहा था कि गरीबी कोई दैवीय अभिशाप नहीं है बल्कि यह मानवजाति द्वारा रचित सबसे बड़ी समस्या है। भारत में गरीबी का मुख्य कारण बढ़ती जनसंख्या, कमजोर कृषि, भ्रष्टाचार, रूढ़िवादी सोच, जातिवाद, अमीर-गरीब में ऊंच-नीच, नौकरी की कमी, अशिक्षा, बीमारी आदि हैं। एक आजाद मुल्क में, एक शोषणविहीन समाज में, एक समतावादी दृष्टिकोण में और एक कल्याणकारी समाजवादी व्यवस्था में गरीबी रेखा नहीं होनी चाहिए। यह रेखा उन कर्णधारों के लिए शर्म की रेखा है, जिसको देखकर उन्हें शर्म आनी चाहिए। यहां प्रश्न है कि जो रोटी नहीं दे सके वह सरकार कैसी? जो अभय नहीं बना सके, वह व्यवस्था कैसी? जो इज्जत व स्नेह नहीं दे सके, वह समाज कैसा? जो शिष्य को अच्छे-बुरे का भेद न बता सके, वह गुरु कैसा?

गांधी और विनोबा ने सबके उदय एवं गरीबी उन्मूलन के लिए 'सर्वोदय' की बात की। लेकिन राजनीतिज्ञों ने उसे निज्योदय बना दिया। जे. पी. ने जाति धर्म से राजनीति को बाहर निकालने के लिए 'संपूर्ण क्रांति' का नारा दिया। जो उनको दी गई श्रद्धांजलि के साथ ही समाप्त हो गया। 'गरीबी हटाओ' में गरीब हट गए। स्थिति ने बल्कि नया मोड़ लिया है कि जो गरीबी के नारे को जितना भुना सकते हैं, वे सत्ता प्राप्त कर सकते हैं। कैसे समतामूलक एवं संतुलित समाज का सुनहरा स्वप्न साकार होगा? कैसे मोदीजी का नया भारत निर्मित होगा? प्रेषकः (लेखक-ललित गर्ग / ईएमएस)

सोलह कलाओं से पूर्ण चंद्रमा बरसाता है अमृत!

(शरद पूर्णिमा पर)

आश्विन माह के पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 16 अक्टूबर को रात्रि 08 बजकर 40 मिनट पर होगी। जिसका समापन अगले दिन 17 अक्टूबर को शाम को 04 बजकर 55 मिनट पर होगा।इस दिन चंद्रमा सोलह कलाओं से पूर्ण होकर रातभर अपनी किरणों से अमृत वर्षा करता है। देश के कई राज्यों में इसे फसल उत्सव के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन खीर बनाने की प्रथा है। खीर को रातभर चंद्रमा की चांदनी में रखा जाता है।मान्यता है कि इस दिन रातभर खीर को चंद्रमा की चांदनी में रखने से खीर अमृत के समान हो जाती है और इस खीर का सेवन करना स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद होता है।शरद पूर्णिमा को शाम 7:18 बजे से रेवती नक्षत्र का प्रारंभ है। रेवती नक्षत्र को शुभ माना गया है। शरद पूर्णिमा की खीर शाम को 7:18 बजे के बाद चांदनी में रख सकते हैं। शरद पूर्णिमा की रात जब चंद्रमा पूर्ण रूप से दिखाई देने लगे और उसकी किरणें आप तक पहुंचने लगें,तब खीर बनाकर उसे खुले में रखने से फायदेमंद होता है।इस साल की शरद पूर्णिमा 2024 पर 3 शुभ संयोग बन रहे हैं। इससे इसका महत्व बढ़ गया है। इस पूर्णिमा को रास पूर्णिमा, कमला पूर्णिमा नाम से भी जाना जाता है। इस दिन शरद पूर्णिमा व्रत और लक्ष्मीजी की पूजा करने वालों के लिए चंद्रमा की पूजा अनिवार्य है। शरद पूर्णिमा के निर्धारण के लिए इसका निशीथ व्यापिनी होना जरूरी है। इस दिन चंद्रोदय शाम 5.02 बजे होगा। इस दिन रेवती नक्षत्र, रवि और ध्रुव योग का विशेष संयोग भी बन रहा है।

पहली मान्यता यह है कि इस दिन भगवान कृष्ण ने गोपियों के साथ महा रास का आयोजन किया था, जिसके कारण इसे रास पूर्णिमा कहा जाता है।दूसरी मान्यता यह है शरद पूर्णिमा के दिन माता लक्ष्मी पृथ्वी पर भ्रमण करने के लिए आती है। शरद पूर्णिमा के दिन खुले आसमान के नीचे चांद की रौशनी में खीर रखने का विधान है।शरद पूर्णिमा के रात चंद्रमा की रौशनी बहुत ही महतवपूर्ण माना जाती है।इस दिन चंद्रमा सोलह कला से सुसज्जित होते है ज्योतिषशास्त्र के अनुसार चंद्रमा को मन का कारक माना गया है चंद्रमा का प्रकाश हमारे शारीर को शीतलता प्रदान करते करते है साथ ही शरीर में उर्जा भरपूर प्रदान करते है ।शरद पूर्णिमा की रात की किरण अमृत समान है इसलिए शरद पूर्णिमा की रात में चावल की खीर बनाकर बर्तन में रखकर रात्रि में खुले आसमान के निचे रखकर जालीदार कपडे से ढककर रखे अगले दिन ब्रह्म मुहूर्त में भगवान विष्णु को खीर का भोग लगाकर प्रसाद के रूप में पूरे परिवार को खिलाए इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाता है। (लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन / ईएमएस) (लेखक आध्यात्मिक चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार है

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों और बिकवाली से आई है। वहीं गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था।। आज प्रमुख कंपनियों के दूसरी तिमाही के परिणाम निराशाजनक और विदेशी निवेशकों के घरेलू बाजार से पैसा निकालने से भी ये नीचे आया है।

इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर अधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 0.39 फीसदी करीब 318.76 अंक टूटकर 81,501.36 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों पर आधारित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी-50 भी 0.34 फीसदी तकरीबन 86.05 अंक फिसलकर 24,971.30 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) का शेयर सबसे अधिक 2.87 फीसदी गिरा। इसके अलावा अदाणी पोर्ट्स, इन्फोसिस, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा मोटर्स, कोटक बैंक, आईटीसी, टाइटन, इंडसइंड बैंक, अल्ट्रा सीमेंट, नेस्ले इंडिया, आईसीआईसीआई बैंक के शेयर भी नीचे आये। वहीं दूसरी ओर एचडीएफ़सी बैंक का शेयर सबसे ज्यादा 0.92 फीसदी उछला। इसके अलावा भारती एयरटेल, रिलायंस, एशियन पेंट्स, स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया के शेयर भी उछले हैं।

बाजार जानकारों के अनुसार वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर रुझान, आईटी स्टॉक्स और ऑटो कंपनियों के शेयरों में गिरावट और विदेशी निवेशकों की निकाषी हावी हाने से घरेलू बाजार में गिरावट आई। दूसरी ओर विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी रही। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गत दिवस 1,748.71 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची।इससे पहले आल सुबह घरेलू शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर खुला। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले कमजोर रुख से बाजार में ये गिरावट दर्ज की गयी। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 198 अंक करीब 0.24 फीसदी नीचे आकर 81,621 पर खुला। वहीं दूसरी ओर निफ्टी-48 अंक तकरीबन 0.19 फीसदी फिसलकर 25,009 पर खुला। वहीं गिफ्ट निफ्टी से बाजार की कमजोर शुरुआत दिख रही है। सुबह गिफ्ट निफ्टी फ्यूचर्स करीब 49 अंक फिसलकर 25,069 पर कारोबार कर रहा था।

इससे पहले गत दिवस अमेरिकी शेयर बाजार रिकॉर्ड ऊंचाई से नीचे आया। इस दौरान वॉल स्ट्रीट के तीनों प्रमुख इंडेक्स नुकसान में रहे। नैस्डैक कंपोजिट में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। यह इंडेक्स 1.01 नीचे आया। एसएंडपी 500 0.76 फिसला, डॉव जोन्स भी नुकसान में रहा।

आज शुरुआती कारोबार में एशियाई बाजारों में भी गिरावट आई है। यह इंडेक्स 1.85 फीसदी गिरा, टॉपिक्स 1.13 फीसदी नीचे आया, ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी /एएसएक्स 200 0.4 फीसदी की गिरावट के साथ खुला, जबकि कोरिया का कोस्पी 1.22 फीसदी और कोस्डाक 0.93 फीसदी गिरा। पिछले कारोबारी सत्र में बाजार में गिरावट दर्ज की गयी थी।

सोने ने लगाई छलांग, 76700 रुपए प्रति 10 ग्राम पार, चांदी भी चमकी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सोने ने बुधवार को ऑल टाइम हाई का रेकॉर्ड बना दिया। एमसीएक्स पर सोने की कीमत 76700 रुपए प्रति 10 ग्राम पार कर गई। मंगलवार के मुकाबले बुधवार को इसमें 363 रुपए की तेजी आई। इसके साथ 10 ग्राम सोने की कीमत 76723 रुपए हो गई। यह पहली बार है जब सोने ने रिकॉर्ड बना लिया है। बुधवार को चांदी में भी उछाल आया। सोने की कीमत में पिछले दो दिनों से गिरावट देखी जा रही थी लेकिन बुधवार को तेजी आई। मंगलवार को सोना 76360 रुपए पर बंद हुआ था। बुधवार को यह फ्लैट कीमत पर खुला लेकिन इसके बाद इसमें पंख लग गए। एक समय यह 76750 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गई थी। हालांकि बाद में इसमें उतार-चढ़ाव जारी रहा।

बुधवार को चांदी भी चमकी। एमसीएक्स पर दोपहर तक यह 544 रुपए बढ़कर 92194 रुपए प्रति किलो पहुंच गई। मंगलवार को यह 91623 रुपए प्रति किलो पर बंद हुई थी। इससे पहले दो दिन तक इसमें भी मंदी थी। बुधवार दोपहर तक इसमें आधे फीसदी से ज्यादा उछाल आ गया। हालांकि यह अभी अपनी उच्चतम कीमत से कम है। इस महीने की शुरुआत में चांदी की कीमत प्रति किलो 93 हजार रुपए प्रति किलो पार कर गई थी। सोने की कीमत पिछले 15 दिनों में डेढ़ फीसदी से ज्यादा बढ़ गई है।

त्योहारी और शादियों के सीजन को देखते हुए सोना महंगा हो सकता है। जानकार बताते हैं कि अगले साल की शुरुआत में सोना 80 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम हो सकता है।

वहीं मिडिल ईस्ट में तनाव और अमेरिकी केंद्रीय बैंक की ओर से ब्याज दर कम होने की संभावना को देखते हुए इसमें और तेजी आ सकती है। एक तरफ भारत में सोने की कीमत में तेजी आई तो वहीं वैश्विक स्तर पर इसमें गिरावट आई है। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि कारोबारियों द्वारा ताजा सौदों की लिवाली करने के कारण सोने की कीमत में तेजी आई है। वहीं अमेरिका में सोने में गिरावट आई है। यहां सोना 0.53 फीसदी की गिरावट के साथ 2,676.57 डॉलर प्रति औंस हो गया।

भारत-कनाडा विवाद के बीच मंत्री मैरी एनजी का बयान सुनने लायक

ओटावा (ईएमएस)। भारत और कनाडा के बीच इनदिनों अभूतपूर्व कूटनीतिक विवाद के बीच कनाडा की व्यापार मंत्री मैरी एनजी ने देश के व्यापारिक समुदाय को भरोसा दिलाया कि वे दोनों देशों के बीच सुस्थापित वाणिज्यिक संबंधों को समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मंत्री एनजी ने कहा, ''मैं अपने व्यापारिक समुदाय को आश्वस्त करना चाहती हूं कि हमारी सरकार कनाडा और भारत के बीच सुस्थापित वाणिज्यिक संबंधों को समर्थन देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मंत्री एनजी ने कहा कि हमारी व्यापार आयुक्त सेवा भारत में कार्यरत कनाडा की कंपनियों को सहायता तथा संसाधन उपलब्ध कराना जारी रखेगी।''

एनजी ने यह बात तब कही जब भारत ने एक अभूतपूर्व कदम उठाकर न केवल ओटावा से अपने उच्चायुक्त को वापस बुलाया, बल्कि भारत से छह कनाडाई राजनयिकों को भी निष्कासित किया है। उन्होंने कहा, मैं साफ कर दूं, कनाडा सरकार अपने व्यवसायों के साथ मजबूती से खड़ा है। हम भारत के साथ जुड़े कनाडा के सभी उद्यमों के साथ मिलकर काम जारी रखने वाले हैं, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि ये महत्वपूर्ण आर्थिक संबंध मजबूत बने रहें।''

मंत्री ने कहा, ''कनाडा सरकार भारत के साथ बातचीत के लिए तैयार है और हम अपने मूल्यवान संबंधों को जारी रखने के लिए तत्पर हैं।' इंडिया ब्रांड इक्विटी फाउंडेशन' के अनुसार, भारत 2022 में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में कनाडा का नौवां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार, वैश्विक स्तर पर 13वां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार तथा व्यापारिक निर्यात के लिए 14वां सबसे बड़ा गंतव्य था।

भारत में तेजी से फलता-फूलता जा रहा ऑनलाइन गेमिंग बाजार

मुंबई (ईएमएस)। भारत का ऑनलाइन गेमिंग बाजार का वर्तमान मूल्य 3.1 बिलियन डॉलर है। रेगुलेशन और टैक्सेशन से जुड़ी चुनौतियों के बावजूद इसके 2034 तक 60 बिलियन डॉलर तक बढ़ने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। भारत के गेमिंग सेक्टर में अमेरिकी योगदान महत्वपूर्ण है। रिपोर्ट के अनुसार, कुल 2.5 बिलियन डॉलर के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में से 1.7 बिलियन डॉलर सिर्फ अमेरिका से आया है। गेमिंग कारोबार के जानकार के अनुसार, यह भारत के तेजी से बढ़ते गेमिंग बाजार में वैश्विक निवेशकों के विश्वास को दिखाता है, जिसके 2034 तक 60 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। इस एफडीआई का 90 प्रतिशत हिस्सा पे-टू-प्ले सेगमेंट में है, जो कि इस सेक्टर के समग्र मूल्यांकन का 85 प्रतिशत है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत अपने हाई टैक्स रेट के लिए जाना जाता है। ऑनलाइन गेमिंग के लिए प्लेयर्स को अपनी कुल जमा पर सभी फॉर्मेट के लिए 28 प्रतिशत की दर से जीएसटी चुकाना होता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र केंद्रीय उत्पाद वर्गीकरण (यूएन सीपीसी) गेमिंग को ऑनलाइन जुए से अलग परिभाषित करता है। 600 मिलियन से ज्यादा गेमर्स के साथ इस सेक्टर का तेजी से मुद्रीकरण किया जा रहा है। यह निर्यात के लिए अवसर पेश करता है। हालांकि, भारतीय कंपनियों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए, हमें प्रगतिशील टैक्स और रेगुलेटरी नीतियों के साथ समान अवसर की आवश्यकता है, जो अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हो। रिपोर्ट में 12 प्रमुख गेमिंग बाजारों में रेगुलेटरी फ्रेमवर्क और टैक्सेशन पॉलिसी पर नजर डाली गई। इसमें पता चला कि सभी 12 देशों में गेम्स ऑफ चांस को लेकर अलग कानूनी परिभाषा है। इस परिभाषा के साथ स्किल गेमिंग फॉर्मेट को लेकर अंतर स्पष्ट होता है।

37 दिन बाद काम पर लौटे सैमसंग इंडिया के कर्मचारी, खत्म की हड़ताल

कर्मचारियों ने प्रबंधन के खिलाफ काम नहीं करने पर जताई सहमति

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सैमसंग इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड की फैक्टरी में कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल मंगलवार को खत्म हो गई। तमिलनाडु सरकार ने बताया कि सभी कर्मचारी काम पर लौट आए हैं। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स की श्रीपेरंबुदूर इकाई के कर्मचारियों ने राज्य सरकार और प्रबंधन के साथ हुई बातचीत के बाद 37 दिन लंबी हड़ताल वापस ले ली।

सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस (सीआईटीयू) के नेतृत्व में हड़ताल कर रहे कर्मचारियों की वेतन वृद्धि समेत ज्यादातर मांगों को सैमसंग प्रबंधन ने पहले ही मान लिया था। इसके बावजूद सीटू ने अपनी यूनियन की मान्यता की मांग को लेकर हड़ताल जारी रखी है, जिसका मामला अदालत में चल रहा है। इस मामले पर कर्मचारियों और प्रबंधन के बीच कानूनी नतीजे का इंतजार करने पर सहमति बनी है। साथ ही सरकार ने भी यूनियन के पंजीकरण की मांग का समर्थन किया, जिसके बाद यूनियन हड़ताल वापस लेने पर सहमत हो गई।

बातचीत के दौरान प्रबंधन और हड़ताली कर्मचारी दोनों के प्रतिनिधि इस बात पर सहमत हुए कि सभी कर्मचारी तुरंत हड़ताल खत्म कर देंगे और काम पर लौट आएंगे। प्रबंधन ने कहा कि हड़ताल में शामिल कर्मियों को प्रताड़ित नहीं किया जाएगा। दूसरी ओर कर्मचारियों ने पूरा सहयोग करने और काम पर लौटने के साथ प्रबंधन के हितों के खिलाफ किसी भी तरह का काम नहीं करने पर भी सहमति जताई है। सरकारी बयान में कहा गया है कि दोनों पक्षों ने इस सलाह को मान लिया है।

कर्मचारियों ने बताया है कि वे तुरंत हड़ताल खत्म कर काम पर लौट आएंगे। इसके साथ सैमसंग फैक्टरी में हड़ताल खत्म हो गई है और सभी कर्मचारियों ने काम फिर से शुरू कर दिया है। माना जा रहा है कि कर्मचारी बुधवार को सैमसंग इंडिया वर्कर्स यूनियन की आमसभा के बाद आधिकारिक तौर पर हड़ताल वापस ले लेगी। हालांकि, नेताओं ने कहा कि उनकी सभी मांगे सरकार और कंपनी दोनों ने मान ली हैं।

विकसित भारत के लिए जीडीपी में विनिर्माण का योग दान बढ़ाने की जरुरत: बाली

नई दिल्ली,(ईएमएस)। वोल्वो ग्रुप इंडिया के प्रबंध निदेशक और अध्यक्ष कमल बाली ने विनिर्माण क्षेत्र को विकसित भारत के लिए 'कमजोर कड़ी' बताते हुए कहा कि इस लक्ष्य को पाने जीडीपी में विनिर्माण का योगदान बढ़ाकर 25 फीसदी करने की आवश्यकता है। बाली ने एक संगोष्ठी में कहा कि देश को गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करके अपने पड़ोसी से अन्य भौगोलिक क्षेत्रों में तीन लाख करोड़ डॉलर के विनिर्माण अवसर को भुनाने की जरुरत है।

उन्होंने कहा कि हमें विकसित भारत बनाना है तो विनिर्माण को पूरी क्षमता से काम करना होगा। विनिर्माण क्षेत्र हमारी कमजोर कड़ी है। उन्होंने कहा कि पिछले 20-25 सालों से विनिर्माण क्षेत्र भारत के जीडीपी के 15-16 फीसदी स्तर पर बना हुआ है। उन्होंने कहा कि एक के बाद एक सरकारों और कई नेताओं ने कोशिश भी की है लेकिन यह आगे नहीं बढ़ पाई है। इसलिए, इसमें बदलाव की जरुरत है।

हमारे पास अगली पीढ़ी के लिए नए उत्पाद बनाने का अवसर: गुप्ते

नई दिल्ली,(ईएमएस)। बोइंग इंडिया के अध्यक्ष सलिल गुप्ते ने कहा कि भारत के पास इंजीनियरिंग क्षमताओं को गुणवत्ता के साथ मिलाकर अगली पीढ़ी के नए उत्पाद बनाने का बढ़िया मौका है। उन्होंने कहा कि देश की कंपनियों को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के मामले में आगे बढ़ने और अवसरों का लाभ उठाने पर ध्यान देने की जरुरत है।

गुप्ते ने कहा कि चाहे आप वाहन क्षेत्र, औद्योगिक इंजीनियरिंग प्रणाली, रक्षा की बात करें हमारे पास भारत में कई मौके उपलब्ध हैं।

उन्होंने कहा कि भारत के पास पिछले 30-50 सालों से हमेशा मजबूत इंजीनियरिंग और डिजाइन क्षमताएं रही हैं। भारत में बोइंग की यात्रा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारत में पिछले पांच सालों में यह सफल रहा है। हम 1500 कर्मचारियों से सात हजार तक पहुंच गए हैं।

भूकंप के भयानक झटकों से दहला तुर्की

अंकारा (ईएमएस)। भूकंप के भयानक झटकों से तुर्की बुधवार को हिल गया है। बताया जा रहा है कि बुधवार को पूर्वी तुर्किये में भूकंप का तेज झटका महसूस किया गया। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 5.9 आंकी गई है। भूकंप के झटके लगने से लोगों में दहशत फैल गई। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप से किसी तरह के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं है।

सरकारी आपदा एवं आपातकालीन प्रबंधन प्रेसीडेंसी के अनुसार, 5.9 तीव्रता का भूकंप मालाटया प्रांत के काले शहर में आया। रिपोर्ट के अनुसार भूकंप का असर निकटवर्ती शहरों दियारबाकिर, एलाजिग, एर्जिनकन और टुन्सेली में भी महसूस किया गया। प्रशासन ने बताया, ''हमें अब तक किसी भी समस्या की कोई सूचना नहीं मिली है।''

पिछले साल आया था तुर्की में तेज भूकंप

तुर्की के अधिकारियों ने कहा कि अभी भी दूरदराज के इलाकों में संभावित नुकसान का आकलन कराया जा रहा है। 'हैबरतर्क' की खबर के अनुसार पूरे क्षेत्र में लोग दहशत में घरों और कार्यालयों से बाहर निकल आए। मालाटया उन 11 प्रांतों में से एक था जो पिछले साल तुर्किये और उत्तरी सीरिया के कुछ हिस्सों में आए जबरदस्त भूकंप से तबाह हो गया था। इस भूकंप में भारत ने सबसे पहले तुर्की की मदद की थी।

पन्नू मामले में लगे आरोपों का पर्दाफाश करने अमेरिका गई भारतीय टीम

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका ने खालिस्तानी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की नाकाम साजिश में एक भारतीय सरकारी अधिकारी के शामिल होने का आरोप लगाया है। हालांकि, भारत ने इन आरोपों कोखारिज कर दिया है और जांच के लिएसबूत मांगे हैं। अब इस मामले में भारत ने एकजांच समिति गठित कर उसे अमेरिका भेजा है। इस समिति में भारत के डिप्टी नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर विक्रममिस्त्रीऔरनेशनलसिक्योरिटी काउंसिल सेक्रेटेरिएट के अधिकारी शामिल हैं।

अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक भारतीय जांच समिति का उद्देश्य अमेरिका के आरोपों की गहराई से जांच करना और सूचनाओं का आदान-प्रदान करना है। यह समिति अमेरिकी अधिकारियों के साथ चर्चा कर सभी संबंधित जानकारी हासिल करेगी। पिछले साल नवंबर में अमेरिकी संघीय अभियोजकों ने भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता पर पन्नू की हत्या की साजिश में शामिल होने का आरोप लगाया था।

अभियोग के मुताबिक निखिल गुप्ता ने न्यूयॉर्क में पन्नू की हत्या की साजिश रचने के लिए एक भारतीय सरकारी अधिकारी के साथ मिलकर काम किया था, लेकिन यह साजिश नाकाम हो गई थी। गुप्ता को चेक गणराज्य से गिरफ्तार किया था और बाद में उसे अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया। अमेरिका ने दावा किया कि गुप्ता ने हत्या के लिए एक हत्यारे को 1,00,000 अमेरिकी डॉलर देने की साजिश रची थी। भारत सरकार ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। भारतीय अधिकारियों का कहना है कि यह जांच समिति अमेरिका में जरुरी सबूतों को खंगालेगी और जांच को सही दिशा में ले जाएगी। गुरपतवंत सिंह पन्नू जो सिख अलगाववादी संगठन 'सिख्स फॉर जस्टिस' का नेता है, भारत ने उसे आतंकवादी घोषित किया है।

पाकिस्तान की क्षेत्रीय अखंडता, संप्रभुता और समृद्धि का समर्थन करता रहेगा चीन

चीनी पीएम ली कियांग ने राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी से की मुलाकात

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। चीन के पीएम ली कियांग इस्लामाबाद के चार दिवसीय दौरे पर हैं। कियांग एससीओ के सदस्य देशों की बैठक में हिस्सा ले रहे हैं। इस बीच कियांग ने पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी से मुलाकात की है। मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने अर्थव्यवस्था, निवेश और क्षेत्रीय संपर्क सहित विभिन्न क्षेत्रों में रणनीतिक सहयोग को और गहरा करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। दोनों पक्षों ने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा परियोजनाओं के कार्यान्वयन में तेजी लाने की जरुरत पर भी बल दिया।

वहीं चीनी प्रधानमंत्री ली ने सभी प्रमुख मुद्दों पर चीन को दृढ़ समर्थन देने के लिए पाकिस्तान की तारीफ की और कहा कि चीन पाकिस्तान की क्षेत्रीय अखंडता, संप्रभुता और समृद्धि का समर्थन करना जारी रखेगा। चीन के किसी प्रधानमंत्री का यह 11 सालों में पहला पाकिस्तान दौरा है।

राष्ट्रपति जरदारी ने इस बात पर जोर दिया कि अपने साझेदार के साथ पाकिस्तान की दोस्ती देश की विदेश नीति की आधारशिला है, उन्होंने सहयोग के लिए नए रास्ते तलाशने के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने व्यापार और दोनों देशों के लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए हर मौसम के अनुकूल सड़क नेटवर्क के जरिए संपर्क बढ़ाने की जरुरत बताई। जरदारी ने कहा कि चीनी कंपनियों को पाकिस्तान स्टॉक एक्सचेंज में निवेश करके पाकिस्तान में निवेश के अवसरों का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह नवंबर में चीन का दौरा करेंगे और पुराने दोस्तों के साथ फिर से जुड़ने और द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए चर्चा में शामिल होने के लिए उत्सुक हैं। जरदारी ने 'वन-चाइना' नीति, ताइवान, तिब्बत, हांगकांग, शिनजियांग और दक्षिण चीन सागर सहित सभी प्रमुख मुद्दों पर चीन के प्रति पाकिस्तान के समर्थन को दोहराया है।

पाकिस्तान में छात्रा से दुष्कर्म, पूरे पंजाब में आक्रोश; हर तरफ विरोध

लाहौर,(ईएमएस)। एक तरफ जहां पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में एससीओ समिट के लिए तमाम देशों के नेता मौजूद हैं तो वहीं दूसरी तरफ लाहौर में छात्र सड़कों पर उतर आए हैं। छात्र लाहौर के एक कॉलेज में छात्रा से कथित दुष्कर्म की घटना का विरोध कर रहे हैं। छात्रों ने पंजाब प्रांत की नेशनल असेंबली के बाहर विरोध-प्रदर्शन किया। हाल ही में छात्राओं के खिलाफ हुई हिंसा की जांच के लिए समिति के गठन की मांग की है। छात्रों का कहना है कि समिति में स्वतंत्र मानवाधिकार निकायों के सदस्य, छात्र प्रतिनिधि और न्यायाधीश शामिल हों।

इस घटना के खिलाफ छात्रों का आंदोलन पंजाब प्रांत के अन्य शहरों में भी फैल गया है। विरोध-प्रदर्शन तब शुरू हुए जब सोशल मीडिया पर खबरें आईं कि लाहौर के गुलबर्ग गर्ल्स कॉलेज की एक छात्रा के साथ संस्थान के 'बेसमेंट' में एक सुरक्षा गार्ड ने कथित तौर पर दुष्कर्म किया है। पुलिस ने दावा किया कि संदिग्ध उसकी हिरासत में है, लेकिन उसने पूछताछ के दौरान सभी आरोपों से इनकार किया है। बता दें कि, इससे पहले प्रदर्शन के दौरान पुलिस के साथ झड़प में 28 छात्र-छात्राएं घायल हुए थे। प्रदर्शनकारी छात्रों ने आरोप लगाया कि प्रशासन ने घटना पर पर्दा डालने के प्रयास में परिसर में और उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग डिलीट कर दी है।

ट्रंप का शायराना तंज.....अमेरिका को अपनों ने लूटा, गैरों में कहां दम था

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है। इस बीच पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका के सहयोगियों ने उसके दुश्मनों से ज्यादा उसका फायदा उठाया है।ट्रंप ने कहा, हमारे दुश्मनों से ज्यादा हमारे सहयोगियों ने हमारा फायदा उठाया है। हमारे सहयोगी यूरोपीय संघ (ईयू) हैं। ईयू के साथ हमारा व्यापार घाटा 30 करोड़ अमेरीकी डॉलर है। उन्होंने कहा, हमारे पास इसतरह के व्यापारिक समझौते हैं जो बेहद खराब हैं। मैं पूछता हूं कि ऐसा करने वाले लोग कौन हैं?

ट्रंप ने कहा, ''मैंने चीन पर 27.5 प्रतिशत कर लगाया। अन्यथा, हमारे पास चीनी कारों की बाढ़ आ गई होती। हमारी सभी फैक्ट्रियां बंद हो जाएंगी। ऑटो उद्योग में हमारे पास बिल्कुल भी नौकरियां नहीं होंगी। यह बिजली पर भी लागू होता है, जो जानलेवा है, जिसके बारे में मैंने बताया हैमैंने दक्षिण कोरिया पर कर लगाया क्योंकि वे ट्रक भेज रहे थे। मैंने काफी हद तक कर लगाया। ट्रंप ने कहा, ''क्या आप जानते हैं कि हमारी कार कंपनियां अपना करीब सारा धन छोटे ट्रकों, एसयूवी से कमाती हैं? अगर मैं उन कर को वापस ले लूं, तब आप डूब जाएंगे। हर कार कंपनी का कारोबार बंद हो जाएगा।''

रूस के मामले पर उन्होंने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अपने संबंधों का बचाव किया। कर के मुद्दे पर उन्होंने फिर कहा कि भारत एक कठोर देश है। ट्रंप ने कहा, भारत एक बहुत ही कठोर देश है। यह सिर्फ चीन की बात नहीं है। मैं कहूंगा कि चीन शायद सबसे कठोर है। आप जानते हैं कि सबसे कठोर क्या है? यूरोपीय संघ, हमारे खूबसूरत यूरोपीय देश, जो अद्भुत हैं।

निज्जर मामले में भारत को सहयोग करना चाहिए : अमेरिका

भारत और कनाडा के बीच चल रही तनातनी के बीच यह क्या कह दिया अमेरिका ने

वाशिंगटन(ईएमएस)। आतंकी हरदीप सिंह निज्जर हत्या मामले में भारत और कनाडा की लंबे समय से तनातनी चल रही है। कनाडा ने पहले हत्या की साजिश में भारत का हाथ होने का आरोप लगाया था। अब कनाडा कह रहा है कि इस मामले की जांच में भारत सहयोग नहीं कर रहा है। अब इस विवाद में अमेरिका की भी इंट्री हो गई है। अमेरिका ने भारत को सलाह देते हुए कहा कि जांच में भारत को सहयोग करना चाहिए।

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारत पर आरोप लगाए हैं कि भारतीय एजेंसियों ने कनाडा की धरती पर निज्जर की हत्या की साजिश रची। कनाडा के इस आरोप के बाद भारत और कनाडा के बीच कूटनीतिक विवाद बढ़ गया है, और इस मामले में अमेरिका भी हस्तक्षेप कर चुका है।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने कहा है कि भारत को इस मामले में कनाडा की जांच में सहयोग करना चाहिए। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने इस मुद्दे को गंभीर बताते हुए कहा कि कनाडा के लगाए गए आरोपों को भारत को गंभीरता से लेना चाहिए। हालांकि, भारत ने कनाडा के इन आरोपों को खारिज करते हुए इसे निराधार बताया और कहा कि उसने कोई साक्ष्य साझा नहीं किए हैं।

कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जोली ने इस विवाद के बीच भारत के खिलाफ पाबंदी लगाने की संभावना भी व्यक्त की है, जिससे दोनों देशों के रिश्तों में और तनाव बढ़ सकता है। भारत ने स्पष्ट किया कि कनाडा के आरोपों में कोई सच्चाई नहीं है और यह देश में भारतीय एजेंटों से जुड़े किसी भी अपराध से संबंधित नहीं है।

इस विवाद के बीच अमेरिकी राजनीति में भी दिलचस्प मोड़ आ सकता है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जो प्रधानमंत्री ट्रूडो को बेईमान और कमजोर व्यक्ति मानते हैं, ने उनके परिवार के कारनामों के साथ रिश्तों को लेकर भी सवाल उठाए हैं। ट्रंप के अनुसार, ट्रूडो के परिवार का कारनामों से करीबी संबंध था, और इस कारण उनके आरोपों की विश्वसनीयता पर सवाल उठते हैं। अब सवाल यह है कि यदि डोनाल्ड ट्रंप फिर से राष्ट्रपति बने, तो क्या अमेरिका का कनाडा के प्रति रुख बदल जाएगा? क्या इस कूटनीतिक विवाद का असर अमेरिका और कनाडा के रिश्तों पर भी पड़ेगा?

इटलीमें बैंक खातों को लेकर मचा बवाल, पीएम मेलोनी ने बना लिया मुद्दा

रोम(ईएमएस)। इटली में नेताओं, उद्योगपतियों, मशहूर हस्तियों और खिलाड़ियों के निजी बैंक खातों की जानकारी एक बैंक क्लर्क को हो गई है। इसके बाद से पूरे देश में हड़कंप मच गया है। हालांकि ये जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है इसके बाद राजनीति हो रही है। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने इसे बड़ा मुद्दा बना दिया है और आरोप लगाया है कि विपक्षी दल इस पूरे मामले को उनके खिलाफ साजिश के रूप में देख रहे हैं। मेलोनी के परिवार के अन्य सदस्य, उनकी पार्टी के कई नेताओं और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की डिटेल्स भी कोविएलो द्वारा चेक की गई हैं, जिनमें रक्षा मंत्री, यूरोपीय मामलों के मंत्री और पर्यटन मंत्री शामिल हैं।

क्लर्क का नाम विन्सेन्ज़ो कोविएलो है, जो इटली के सबसे बड़े बैंक बैंका इंटेसा सैनपाओलो में काम करता था। उसने फरवरी 2022 से लेकर अब तक 6,976 खातों की जानकारी चुपके से निकाल ली।

कोविएलो ने अपनी कार्रवाई का कारण बताया कि उसे यह जानने की इच्छा थी कि देश के नेता और बड़े कारोबारी कितने अमीर हैं। उसने कहा कि वह अपने करियर से निराश था और नेताओं की बैंक डिटेल्स देखकर उसे संतुष्टि मिली। उसने इस जानकारी को कहीं नोट नहीं किया और न ही किसी से साझा किया, बल्कि यह जानकारी केवल उसके पास है। कोविएलो की बैंक में काम करने की वजह से उसे इन खातों तक आसान पहुंच थी। उसने यह जानकारी हासिल की कि कब पैसे आए, कब निकाले गए, किसके खाते में पैसे ट्रांसफर हुए, और कहां से और कहां भेजे गए। इस जानकारी से किसी व्यक्ति की निजी जानकारी, उसके व्यवसायिक लेन-देन, कर्ज की स्थिति और यहां तक कि उसके संपर्कों का भी पता चल सकता है। नेताओं को इस बात का डर है कि यह जानकारी डार्क वेब पर बेची जा सकती है, जिससे गैंगस्टर और अंडरवर्ल्ड माफिया इसे अपने फायदे के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं, जैसे कि धमकी देकर फिरौती मांगना। इस मामले की जांच पुलिस द्वारा की जा रही है, लेकिन यह अभी स्पष्ट नहीं है कि कोविएलो ने इस जानकारी को किसी के साथ साझा किया है या नहीं। बता दें कि इटली में एक बैंक क्लर्क ने देश के 3500 से अधिक नेताओं, उद्योगपतियों, मशहूर हस्तियों और खिलाड़ियों के निजी बैंक खातों की जानकारी हासिल कर ली है, जिससे इटली की राजनीति में तूफान मच गया है।

कनाडा पुलिस का ओटावा के सिख समुदाय से आग्रह आगे आकर जांच में सहयोग करें

ओटावा (ईएमएस)। कनाडा में हुई हिंसा के मामले में भारत सरकार का संबंध होने के आरोपों की जांच कर रहे रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) के प्रमुख ने ओटावा के सिख समुदाय से आगे आकर जांच में सहयोग का अनुरोध किया है। आयुक्त माइक डुहेम ने सिख समुदाय से आग्रह किया है, अगर उनके पास कोई जानकारी है तब वे आगे आएं और आरसीएमपी की जांच में सहयोग करें।

डुहेम ने आरोप लगाया कि भारत सरकार के ''एजेंट'' ने कनाडा में हत्याओं सहित ''व्यापक'' हिंसा की घटनाओं में भूमिका निभाई थी। पुलिस अधिकारी डुहेम ने आरोप लगाया कि कनाडा में भारतीय राजनयिकों और वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों का संबंध कनाडा के स्थानीय निवासियों और वहां रहने वाले लोगों के खिलाफ हत्याओं तथा ''जबरन वसूली, धमकी एवं बल पूर्वक अपराध'' जैसे कृत्यों से रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पुलिस बल को महसूस हुआ कि कनाडा में काम कर रहे इस नेटवर्क को खत्म करने के लिए लोगों का खुलकर आगे आना जरूरी है।

यह पूछने पर कि क्या भारतीय समुदाय के लोगों को अपनी सुरक्षा के लिए चिंतित होना चाहिए, इस पर डुहेम ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भारतीय समुदाय के लोगों को ''पुलिस के अधिकार क्षेत्र में विश्वास और भरोसा है।'' खबर में कहा गया है कि कनाडा की धरती पर हिंसा के मामलों में भारत सरकार की संलिप्तता के आरोपों की जांच कर रहे आरसीएमपी ने सिख समुदाय के लोगों से आगे आने और जांच में सहयोग का अनुरोध किया है।

विवाद: बिना बताए वाशरुम गई को-पायलट को कोकपिट में आने से रोका

कोलंबो(ईएमएस)।श्रीलंकन एयरलाइंस के एक फ्लाइट में दो पायलटों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि कैप्टन ने अपनी साथी महिला को-पायलट को कॉकपिट से बाहर निकाल दिया। वजह ये थी कि को पायलट बिना बताए वाशरुम चली गई और यह सुनिश्चित नहीं कर पाई कि किसी और अटेंडेंट को कॉकपिट में जाने की अनुमति दी जाए, जो कि 'मानक संचालन प्रक्रियाओं' (एसओपी) का उल्लंघन है। इस घटना के बाद एयरलाइन ने कैप्टन को सस्पेंड कर दिया है और मामले की जांच जारी है।

यह घ

गुजरात में लगातार बारिश से किसान परेशान, फसलों को व्यापक नुकसान

अहमदाबाद,16 अक्टूबर

नवरात्रि के बाद एक बार फिर गुजरात में बारिश का मौसम शुरू हो गया है. आज भी प्रदेश के कई जिलों में बारिश हुई है. आज जांगिया, अमरेली, सूरत, सूत्रपाड़ा और वेरावल समेत कई जगहों पर बिजली के साथ बारिश हुई. राज्य में लगातार हो रही बारिश से फसलों को काफी नुकसान हुआ है.

दक्षिण गुजरात के कई इलाकों में पिछले कई दिनों से बारिश हो रही है. फिर आज भरूच के जांगिया तालुक में आंधी के साथ बारिश हुई है. मौसम गर्म और ठंडा है, इसके बाद तूफानी हवाएँ और बारिश होती है। इसके अलावा, सूरत शहर और जिले में भी सार्वभौमिक वर्षा की सूचना मिली है। सूरत के अडाजण में भारी बारिश हुई.

इसके साथ ही सौराष्ट्र में भी आसो महीने में बेमौसम मौसम का सामना करना पड़ा है. आज अमरेली जिले के ग्रामीण इलाकों में बारिश हुई है. अमरेली के खंभा कस्बे में भी आज बारिश हुई. तालुका के भानिया गांव में तूफानी हवाओं और बिजली के साथ बारिश हुई है. इसके अलावा भानिया, पीपलवा, उमरिया, गिंदर्डी सहित गांवों में बारिश हुई है।

इसके अलावा जूनागढ़ में भी आज बारिश का मौसम देखने को मिला है. जिले के मालिया हटिना में दोपहर से ही बारिश हो रही थी. जहां एक घंटे में डेढ़ इंच बारिश हुई। तालुका के ग्रामीण इलाकों में भी बारिश के कारण परती फसलों को काफी नुकसान हुआ है.

राज्य में देर से हुई बारिश के कारण फसलों को काफी नुकसान हुआ है. किसानों से उनकी आजीविका छीन ली गयी है. सोयाबीन, मूंगफली, तिल समेत अन्य फसलों को नुकसान होने की आशंका है। हालांकि, राज्य में अभी दो दिनों तक सामान्य बारिश का अनुमान लगाया गया है. सौराष्ट्र, कच्छ, वडोदरा, छोटाउदेपुर, नवसारी, तापी, डांग, वलसाड राजकोट, जूनागढ़, अमरेली में मध्यम बारिश का अनुमान है।

राज्य सरकार के कर्मचारियों को अक्टूबर माह के वेतन-पेंशन का भुगतान अगले सप्ताह होगा

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य सरकार के कर्मचारी तथा सेवा निवृत्त पेंशनभोगी आगामी दीपावली त्योहार आनंद और उल्लास से मना सकें; इसके लिए महत्वपूर्ण निर्णय किया है। भूपेन्द्र पटेल के निर्णय के अनुसार इस वर्ष दीपावली त्योहार को ध्यान में लेकर कर्मचारियों को मिलने वाले वेतन तथा पेंशनभोगियों को मिलने वाली पेंशन की राशि का अग्रिम भुगतान किया जाएगा। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल द्वारा इस संबंध में वित्त विभाग को दिए गए दिशा-निर्देश के अनुसार राज्य सरकार के कर्मचारियों तथा पेंशनभोगियों को अक्टूबर माह के वेतन-पेंशन का अग्रिम भुगतान आगामी 23 से 25 अक्टूबर के दौरान किया जाएगा। विभिन्न कर्मचारी मंडलों, एसोसिएशनों तथा अग्रणियों की ओर इस संबंध में की गई प्रस्तुतियों-मांग पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने अक्टूबर-2024 के वेतन-पेंशन का अग्रिम भुगतान करने का निर्णय किया है।

करंट लगने से वृद्ध की मौत, गर्मी लगने से सुबह घर से टहलने के निकले थे

सूरत (ईएमएस) शहर के मोटा वराछा क्षेत्र में 75 वर्षीय एक वृद्ध की बिजली का करंट लगने से मौत हो गई यह घटना उस समय हुई जब वृद्ध आज सुबह गर्मी लगने पर घर से टहलने निकले थे और राधे रॉ हाउस के निकट कुर्सी डालकर बैठे थे तभी अचानक निकट के ट्रांसफर्मर में चिपक गए और उनकी मौत हो गई जानकारी के मुताबिक सूरत के वेलंजा उमरा चौराहे के निकट स्थित सुखनंद रॉ हाउस निवासी 75 वर्षीय जीवराजभाई शंभुभाई वेकरिया आज सुबह मोटा वराछा क्षेत्र के राधे रॉ हाउस क्षेत्र में लगे ट्रांसफर्मर से मृत हालत में चिपके हुए मिले खबर मिलते ही फायर ब्रिगेड टीम मौके पर पहुंची और बिजली सप्लाई बंद कर मृत वृद्ध का शव नीचे उतारा मृतक के परिवार के मुताबिक जीवराजभाई को सुबह गर्मी लग रही थी, जिससे वह घर से टहलने निकले थे शहर के मोटा वराछा क्षेत्र के राधे रॉ हाउस के निकट जीवराजभाई कुर्सी पर बैठे हुए थे, उस वक्त ट्रांसफर्मर से चिपक कर उनकी मौत हो गई परिवार के मुताबिक जीवराजभाई बीमार थे और उनके सीने में दर्द रहता था उधना पुलिस मामले की जांच कर रही है

एक और नाबालिग लड़की हुई हवस का शिकार, पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया

नवसारी (ईएमएस) दुष्कर्म समेत अपराधों की बढ़ती संख्या को देख ऐसा लगता है जैसे असामाजिक तत्त्वों में कानून का कोई खौफ नहीं है कानून की सख्ती के बावजूद दुष्कर्म जैसी घटनाएं थम नहीं रही हैं दक्षिण गुजरात से एक और नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आई है नवसारी के विजलपोर की इस घटना में पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की है जानकारी के मुताबिक नवसारी के विजलपोर इलाके की एक सोसायटी में रहने वाली 14 साल की नाबालिग लड़की से उसके घर के निकट ही रहने वाले 22 साल के रोहित नामक युवक दोस्ती थी। नवरात्रि के दौरान गत 10 अक्टूबर की देर रात को रोहित नाबालिग लड़की बहला फुसलाकर अपने साथ ले जाने में कामयाब हो गया रोहित ने लड़की को मोपेड पर बिठाया और उसे ऐसी जगह ले गया जो सूनसान थी उस सूनसान जगह पर रोहित ने लड़की के साथ जबरन दुष्कर्म किया और एक से डेढ़ घंटे बाद रोहित लड़की को उसके घर के पास छोड़ गया जाते जाते रोहित ने लड़की को किसी से कुछ भी बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के कुछ दिन बाद लड़की के पेट में दर्द हुआ तो उसने अपनी मां से बात की और उन्हें पूरी घटना के बारे में बताया। जिसे सुनकर लड़की की माता के होश उड़ गए जिसके बाद लड़की की माता ने बिजलपोर पुलिस थाने में रोहित के खिलाफ शिकायत दर्ज करवा दी पुलिस ने पोक्सा समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया और आरोपी रोहित को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की है

सूरत में स्कूल में खाना खाने के बाद फूड प्वाइजनिंग से 45 बच्चे प्रभावित

सूरतः सूरत जिले के उमरपाड़ा में फूड पॉइजनिंग की घटना सामने आई है. उमरपाड़ा तालुक के उमरगोट गांव के आदर्श आवासीय विद्यालय के छात्र फूड प्वाइजनिंग से प्रभावित हुए हैं. स्कूल में खाना खाने के बाद दस्त और उल्टी के कारण 45 छात्रों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्राप्त विवरण के अनुसार, उमरपाड़ा तालुक के उमरगोट आदर्श आवासीय विद्यालय में बैंगन-आलू की सब्जी और दाल-चावल खाने से बच्चे फूड प्वाइजनिंग का शिकार हो गये हैं. स्कूल में खाना खाने के बाद करीब 45 स्कूली बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी. इसके बाद बच्चों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिनमें से 30 बच्चों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है, जहां उनके स्वास्थ्य में सुधार हुआ है. उमरपाड़ा सरकारी अस्पताल में दो छात्रों का इलाज चल रहा है.

सूरत जिले के उमरपाड़ा के उमरगोट गांव के आदर्श आवासीय विद्यालय में बैंगन की सब्जी, दाल भात खाने से छात्रों की तबीयत बिगड़ने लगी. खाने के बाद करीब 45 छात्रों में डायरिया-उल्टी का असर देखा गया. स्वास्थ्य विभाग की जांच से फूड प्वाइजनिंग का कारण पता चलेगा। कल, सुरेंद्रनगर कुंतलपुर के एक मंदिर में बटुक भोजन के लिए गए छात्र जमीन पर स्कूल लौटे तो 40 से अधिक बच्चे फूड प्वाइजनिंग से प्रभावित हो गए। उन्हें मुली अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। इसके अलावा पालीताणा के जामवाली 2 गांव में फूड पॉइजनिंग से 23 छात्र प्रभावित हुए. स्कूल में स्वस्थ भोजन खाने के बाद दस्त और उल्टी हुई। टीचर के जन्मदिन पर हेल्दी खाना खाने से बच्चे फूड प्वाइजनिंग का शिकार हो गए.

पीएम मोदी के आगमन से पहले वडोदरा को चमकाने में दिन-रात कर रहा है नगर निगम प्रशासन

वडोदरा (ईएमएस) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आगमन से पहले वडोदरा को चमकाने में नगर निगम प्रशासन कोई कसर नहीं छोड़ रहा दरअसल पीएम मोदी आगामी 28 अक्टूबर को वडोदरा के दौरे पर आ रहे हैं और उनके दौरे से पहले नगर निगम प्रशासन शहर को सुंदर बनाने के लिए दिन-रात काम कर रहा है।

जानकारी है कि पीएम मोदी टाटा एयरबस प्लांट का उद्घाटन करने वडोदरा आएंगे सेना के लिए इस्तेमाल होने वाले एयरबस का निर्माण वडोदरा में किया जाएगा यह प्लांट वडोदरा के हरणी रोड स्थित कैंपस में तैयार किया गया है इस प्लांट का शिलान्यास दो साल पहले पीएम मोदी ने ही किया था प्लांट का निर्माण पूरा होने के बाद वह खुद इसका उद्घाटन करने वडोदरा आ रहे हैं पीएम मोदी के आगमन के चलते नगर निगम प्रशासन शहर की साफ-सफाई और सुंदरता को बेहतर बनाने पर अधिक ध्यान दे रहा है। दिवाली से पहले वडोदरा में नगर निगम प्रशासन द्वारा एक व्यापक स्वच्छता और सौंदर्यीकरण अभियान शुरू किया गया है। नगर पालिका प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन से पहले सभी कार्रवाई पूरी करने की तैयारी में हैं नगर निगम की ओर से पूरे शहर और खासकर प्रधानमंत्री के आगमन मार्ग पर साफ-सफाई, रंग-रोगन, लाइटिंग, दीवार पर पेंटिंग आदि का काम युद्ध स्तर पर किया जा रहा है साथ ही नगर निगम आयुक्त, स्थायी समिति के अध्यक्ष समेत पदाधिकारियों द्वारा इस कार्रवाई की लगातार निगरानी की जा रही है वडोदरा में हाल की भयानक बाढ़ के बाद पीएम मोदी पहली बार वडोदरा आ रहे हैं। वडोदरा दौरे के दौरान पीएम मोदी द्वारा विश्वामित्री नदी के लिए किसी बड़े प्रोजेक्ट की घोषणा किए जाने की संभावना है जो कई मायनों में वडोदरा के निवासियों के लिए महत्वपूर्ण होगी

गुजरात के लोथल में बनेगा भारत का पहला नेशनल मैरीटाइम हेरिटेज कॉम्प्लेक्स

- 200 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से बनेगा विश्व का सबसे ऊँचा 'लाइटहाउस म्यूजियम'

- प्रथम चरण अंतर्गत भारतीय नौसेना तथा तट रक्षकों को समर्पित संग्रहालय का निर्माण किया जाएगा

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात की प्राचीन विरासत का एक महत्वपूर्ण स्थल लोथल एक बड़े परिवर्तन का साक्षी बनने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने गुजरात के लोथल में नेशनल मैरीटाइम हेरिटेज कॉम्प्लेक्स (एनएमएचसी) के विकास को स्वीकृति दी है। बंदरगाह, जहाजरानी तथा जल मार्ग मंत्रालय द्वारा संचालित इस पहल का उद्देश्य भारत की 4,500 वर्ष पुरानी समुद्री विरासत का सम्मान करना तथा उसे लोगों के समक्ष प्रदर्शित करना है। उल्लेखनीय है कि नेशनल मैरीटाइम हेरिटेज कॉम्प्लेक्स यानी राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर (एनएमएचसी) का शिलान्यास मार्च-2019 में किया गया था, जो विश्व का सबसे बड़ा मैरीटाइम कॉम्प्लेक्स बनने जा रहा है। यह समग्र परियोजना दो चरणों में पूर्ण की जाएगी। प्रत्येक चरण को आगंतुकों (विजिटर्स) के अनुभव एवं शैक्षणिक प्रभाव को बढ़ाने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है।

एनएमएचसी का चरण 1ए हाल में प्रगत्याधीन है, जिसमें 60 प्रतिशत कार्य पूर्ण हुआ है। इस चरण के अंतर्गत एनएमएचसी म्यूजियम का निर्माण किया जाएगा, जिसमें 6 दीर्घाएँ (गैलरियाँ) शामिल की जाएंगी। यह संग्रहालय भारतीय नौसेना (नेवी) तथा तट रक्षकों (कोस्ट गार्ड्स) को समर्पित किया जाएगा और अपेक्षा है कि यह देश में सबसे बड़ा म्यूजियम होगा। इन दीर्घाओं में नौसेना के आईएनएस निशांक, सी हेरियर एयरक्राफ्ट तथा यूएच3 हेलीकॉप्टर जैसे युद्धपोत प्रदर्शित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त; चरण 1ए में प्राचीन लोथन टाउनशिप का मॉडल, एक ओपन एक्वेटिक (जलचर) गैलरी तथा जेटी वॉकवे का समावेश किया जाएगा। 1,238 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत के साथ इस चरण के तहत आने वाले कार्य वर्ष 2025 में पूर्ण करने का आयोजन है। इसके लिए मुख्य बंदरगाहों, रक्षा मंत्रालय तथा संस्कृति मंत्रालय के योगदान से कोष (फंड) प्रदान किया गया है। चरण 1बी में एनएमएचसी म्यूजियम में और 8 दीर्घाएँ तथा एक प्रकाशस्तंभ संग्रहालय (लाइटहाउस म्यूजियम) भी बनाया जाएगा। लाइटहाउस म्यूजियम को विश्व का सबसे ऊँचा म्यूजियम बनाने की योजना है। इसमें एक उद्यान परिसर शामिल होगा, जिसमें लगभग 1,500 वाहनों के लिए पार्किंग, एक फूड हॉल तथा मेडिकल सेंटर होंगे। इस लाइटहाउस म्यूजियम का अनुमानित खर्च 266.11 करोड़ रुपए है, जिसके लिए प्रकाशस्तंभ एवं प्रकाशपोत महानिदेशालय (डाइरेक्टरेट जनरल ऑफ लाइटहाउस एंड लाइटशिप्स यानी डीजीएलएल) द्वारा कोष प्रदान किया जाएगा। एनएमएचसी के द्वितीय चरण में तटवर्ती राज्यों तथा केन्द्र शासित प्रदेशों द्वारा विशेष पैवेलियन बनाया जाएगा। इनमें समुद्री थीमपरबनाए गए इको-फ्रेंड्ली रिजोर्ट तथा 'म्यूज्योटेल' बनाए जाएंगे, जो म्यूजियमएवंहोटलकोजोड़ेंगे। आगंतुक -पर्यटक लोथल के प्राचीन शहर की झलक प्राप्त कर सकेंगे। चार थीम पार्क के साथ मैरीटाइम इंस्टीट्यूट तथा हॉस्टल बनाया जाएगा। चार थीम पार्क में मैरीटाइम एण्ड नेवल, क्लाइमेट चेंज, मॉन्यूमेंट्स तथा एडवेंचर एंड अम्यूजमेंट पार्क शामिल हैं। ये सभी थीम पार्क लोगों को समुद्री विरासत के विषय में विस्तार से अवगत कराएंगे।

केन्द्रीयमंत्रिमंडलनेएक रणनीतिक योजना बनाकर एनएमएचसी प्रोजेक्ट केआगामीचरणों के कार्यों को स्वीकृति दी है। इन चरणों को स्वैच्छिक दान द्वारा कोष प्रदान किया जाएगा तथा उनकी प्रगति पर्याप्त धन एकत्र करने पर निर्भर रहेगी। बंदरगाह, जहाजरानी तथा जल मार्ग मंत्री के नेतृत्व में एक विशेष सोसाइटी द्वारा इन चरणों केकामकाजकासंचालन किया जाएगा। एनएमएचसी के विकास से रोजगार के15हजारप्रत्यक्ष व 7 हजार परोक्ष अवसर सृजित होंगे। आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने के साथ-साथ; इससे स्थानीयसमुदायों,पर्यटकों, शोध कर्ताओं, खोजियों, विद्वानों, सरकारी संस्थानों,शैक्षणिकसंस्थानों, सांस्कृतिक संस्थानों, पर्यावरणीय समूहों एवं व्यवसायों को लाभ होगा।

सिट्रोएन बैसाल्ट को भारत एनसीएपी सुरक्षा टेस्ट में 4-स्टार रेटिंग मिली; यात्रियों की सुरक्षा के लिए सिट्रोएन इंडिया की प्रतिबद्धता का प्रदर्शन हुआ

12 अक्टूबर, 2024, चेन्नईः सिट्रोएन इंडिया द्वारा भारत की पहली मेनस्ट्रीम आईसीई एसयूवी कूपे, ऑल-न्यू बैसाल्ट को भारत न्यू कार एसेसमेंट प्रोग्राम (भारत - एनसीएपी) में 4 स्टार रेटिंग प्राप्त हुई है। अपने बोल्ड, कमांडिंग स्टांस, विशाल स्पेस, और एयरोडायनामिक सिल्हुएट के साथ ड्राईविंग का शानदार अनुभव प्रदान करने वाली सिट्रोएन बैसाल्ट अब बेहतरीन सुरक्षा विशेषताओं के साथ एक अल्टीमेट ऑल-राउंडर बन गई है। यह रेटिंग न केवल सिट्रोएन बैसाल्ट में मिलने वाली मजबूत सुरक्षा को प्रमाणित करती है, बल्कि इससे अपने सभी वैरिएंट्स और सभी मॉडलों में बेहतर सुरक्षा विशेषताएं प्रदान करने की सिट्रोएन की प्रतिबद्धता भी प्रदर्शित होती है।

सिट्रोएन बैसाल्ट में एक मजबूत और इंटेलिजेंट बॉडी स्ट्रक्चर डिज़ाईन है, जो दुर्घटना की स्थिति में सर्वाधिक सुरक्षा प्रदान करता है। बैसाल्ट ने अपने लॉन्च के बाद से ही कारप्रेमियों और पहली बार कार खरीदने वाले लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया है और प्रतिस्पर्धी बाजार में अपनी एक अलग पहचान बनाई है।

सिट्रोएन इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर, शिशिर मिश्रा ने कहा, ''हमें भारत एनसीएपी से सिट्रोएन बैसाल्ट को 4 स्टार रेटिंग प्राप्त होने पर गर्व है। यह उपलब्धि हमारी डिज़ाईन फिलॉसफी में सुरक्षा को सबसे ज्यादा महत्व देने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। बैसाल्ट में मजबूत सुरक्षा विशेषताओं की मदद से हमारेग्राहक आत्मविश्वास और सुरक्षा के साथ ड्राईव कर सकते हैं। भारत में कार खरीदने वालों के बीच सुरक्षा के बारे में जागरुकता बढ़ने के साथ अपने ग्राहकों की सुरक्षा को सबसे ज्यादा महत्व देने पर हमें गर्व है। हमें विश्वास है कि यह रेटिंग मिलने के बाद बाजार में बैसाल्ट का आकर्षण बढ़ेगा और यह लोगों की पसंदीदा एसयूवी बन जाएगी।''

इस रेटिंग के लिए टेस्टिंग की कठोर प्रक्रिया में बैसाल्ट को कई क्रैश टेस्ट्स से गुजारा गया, जिसमें इसने अपनी आधुनिक सुरक्षा विशेषताओं का प्रदर्शन करते हुए शानदार परिणाम दिए। इसके हर मॉडल में 40 से ज्यादा एक्टिव और पैसिव सेफ्टी फीचर्स मिलते हैं। बैसाल्ट में हाई-स्ट्रेंथ स्टील, एडवांस्ड हाई स्ट्रेंथ स्टील (एएचएसएस) और अल्ट्रा हाई स्ट्रेंथ स्टील (यूएचएसएस) सामने और किनारे से लगने वाली टक्कर से मजबूत सुरक्षा प्रदान करती हैं, और केबिन ज्यादा पिचकता नहीं है।

इसकेअलावा,इसके सभी मॉडलों में मौजूद एडवांस्ड सुरक्षा विशेषताओं में छः एयरबैग्स, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी प्रोग्राम (ईएसपी), हिल होल्ड कंट्रोल, सभी सीटों के लिए 3-पॉईंट सीट बेल्ट और सीट बेल्ट रिमाईंडर तथा आईसोफिक्स चाईल्ड सीट एंकर हैं। इन फीचर्स की मदद से ग्राहकों को आत्मविश्वास के साथ ड्राईविंग का सुरक्षित अनुभव मिलता है,जिससेहरसफरमेंसुरक्षा को सर्वाधिक महत्व देने की सिट्रोएन की प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है। सिट्रोएन बैसाल्ट भारतीय ऑटोमोटिव परिदृश्य में सुरक्षा मानकों को परिभाषित कर रहीहै।यह4स्टाररेटिंगइसकी इंजीनियरिंग उत्कृष्टता का प्रमाण है। सिट्रोएन इंडिया इनोवेशन और क्वालिटी के अपने मिशन के साथ सुनिश्चित कर रही है कि इसके हर वाहन में ड्राईविंग का सर्वाधिक आनंद और सर्वोच्च सुरक्षा विशेषताएं प्राप्त हों।

नकली, मिलावट और नशाखोरी का मॉडल बीजेपी काः कांग्रेस ने चिप पर बोला हमला

16 अक्टूबर

नकली, मिलावटी और ड्रग गेटवे बीजेपी मॉडल द्वारा गुजरात के 6.5 करोड़ नागरिकों के स्वास्थ्य के साथ गंभीर समझौता किया जा रहा है। गुजरात प्रदेश कांग्रेस के मीडिया संयोजक एवं प्रवक्ता डॉ. मनीष दोशी ने कहा कि बीजेपी का कन्फ्यूजन मॉडल गुजरात में नागरिकों की जान से खिलवाड़ कर रहा है, चाहे त्योहार हो या आम दिन. मिलावटी घी, पनीर, मावा, तेल में बड़े पैमाने पर मिलावट, मिर्च, हल्दी, जीरा, सौंफ सहित मसालों में खतरनाक मिलावट जैसे गंभीर मुद्दों के बावजूद राज्य सरकार गंभीरता नहीं दिखाती है। केंद्र की कांग्रेस सरकार ने 2006 में खाद्य सुरक्षा अधिनियम लागू किया था, जिसका भाजपा ने उल्लंघन किया और मिलावटखोरों को खुली छूट दे दी।

भाजपा सरकार मिलावटखोरों को आश्रय देकर स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रही है। यहां तक कि जीवनरक्षक दवाओं में भी बड़े पैमाने पर मिलावट की जा रही है। उन खाद्य विक्रेताओं के बारे में जानकारी का खुलासा करें जो होटलों या कैटरर्स में सड़े, खराब, मिलावटी, निम्न-श्रेणी, खराब गुणवत्ता वाले सामान बेचते पकड़े गए हैं। पकड़े गए लोगों के नाम वेबसाइट पर डालें. ताकि लोग सतर्क रहें और चोर डरें. पिछले 15 वर्षों में राज्य के आठ महानगरों में खाद्य पदार्थों से संबंधित 3500 मामलों में से केवल 350 का ही निपटारा हो सका है, मिलावटखोरों के लिए सजा इतनी आम है कि डर ही नहीं लगता. निगम के खाद्य और सुरक्षा विभाग में कामकाज का चौंकाने वाला विवरण जो आश्चर्यजनक हैं! और जब शहर में दिवाली का त्यौहार होता है तो हजारों की संख्या में होटलों या कैटरर्स की दुकानों और विभिन्न खाद्य फैक्टरियों में तरह-तरह के नमकीन, फरसाण, नमकीन, मिठाइयाँ बनाई जाती हैं और सभी दुकानदार घटिया सामान, मिलावटी सामान, सड़े-गले और बहुत पुराने सामान का इस्तेमाल करते हैं चीज़ें। और इसका सीधा असर लोगों की सेहत पर पड़ता है.

स्वास्थ्य विभाग ने इन खराब मिठाइयों/स्नैक्स बनाने वाले कुछ व्यापारियों को स्वास्थ्य से समझौता करने से रोकने और गिरफ्तार करने के लिए मुनि कॉर्पोरेशन पर छापा मारा। और खाद्य पदार्थों के नमूने एकत्र कर उन्हें जांच/परीक्षण के लिए खाद्य एवं औषधि प्रयोगशाला में भेजता है। अब आश्चर्य की बात यह है कि आज लिए गए भोजन/मिठाई/फरसाण के नमूने की जांच रिपोर्ट 14 से 15 दिन में आती है। तब तक दुकानदार लोगों को मिठाई/फरसाण बेच चुका होता है। और अगर लोगों ने इसका सेवन कर लिया है और 15 दिनों के बाद सैंपल फेल हो जाता है या असुरक्षित हो जाता है, तो वे निगम नगर न्यायालय में शिकायत दर्ज कराते हैं। और फैसले का इंतजार कर रहा है. अब जब लोग उस मिठाई/फरसाण को खा चुके तो उसका क्या फायदा? यह गुजरात की जनता के साथ क्रूर मजाक है.

राज्य के आठ महानगरों के दो करोड़ नागरिकों के लिए 300 खाद्य निरीक्षकों की आवश्यकता के मुकाबले केवल 35 सुरक्षा निरीक्षक ही ड्यूटी पर हैं. जबकि 70 लाख की आबादी वाले अहमदाबाद शहर के 48 वार्डों में केवल 16 खाद्य सुरक्षा अधिकारी हैं, जिसके कारण भोजन की गुणवत्ता को नियंत्रित करना और यह सुनिश्चित करना मुश्किल हो गया है कि व्यापारी सार्वजनिक स्वास्थ्य की कीमत पर सिर्फ मुनाफा न कमाएं। पूरे राज्य में केवल 4 खाद्य सुरक्षा ऑन व्हील्स यानी मोबाइल प्रयोगशालाएँ हैं, जिनमें से केवल एक मेगासिटी अहमदाबाद में है। जिसका प्रदर्शन भी वैसा नहीं है. शहर में डायरिया-उल्टी और फूड प्वाइजनिंग के मामले भी बढ़ रहे हैं। फिर लोगों को शुद्ध और सात्विक भोजन मिले, इस पर सिस्टम को ध्यान देने की जरूरत है.

खाद्य पदार्थों के मामले तीन प्रकार के होते हैं जिनमें पैकेट मिस बांड, घटिया, ये दो प्रकार के मामले खाद्य एवं औषधि विभाग द्वारा तथा राज्य शासन के खाद्य अधिकारी द्वारा अपर कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किये जाते हैं। इस मामले के निपटारे में काफी देरी हो रही है. जब न्यायालय में असुरक्षित प्रकार के मामले किये जाते हैं। शहर से हर साल अनसेफ के करीब 15 से 20 मामले ही कोर्ट में दाखिल होते हैं। जिस दुकान से संदिग्ध खाद्य पदार्थ के नमूने लिए गए हों, उस दुकान से लोकेशन, कॉरपोरेशन की वेबसाइट पर जाकर सामान खरीदने से बचना चाहिए और बीमार होने तथा मरने से बचना चाहिए। साथ ही अगर दुकानदार की बदनामी होगी तो कोई भी उसकी दुकान से सामान नहीं खरीदेगा जिससे वह भी डर जाएगा। भोजन के नमूनों की जांच में 15 दिन लगते हैं, सरकार को 48 घंटों के भीतर परिणाम प्राप्त करने के लिए परीक्षण सुविधाएं स्थापित करनी चाहिए।

गुजरात के दूरदराज के गांवों तक हाई क्वालिटी मोबाइल और डिजिटल सेवाएं उपलब्ध होंगी

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के दूरदर्शी नेतृत्व में गुजरात के अधिक से अधिक गांवों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की डिजिटल भारत की संकल्पना के अंतर्गत शामिल कर किफायती और हाई क्वालिटी मोबाइल एवं डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराने का दृष्टिकोण अपनाया गया है। राज्य सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने इस उद्देश्य से संशोधित भारतनेट कार्यक्रम फेज-3 के अंतर्गत भारतनेट नेटवर्क को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए केंद्र सरकार के साथ एक महत्वपूर्ण सहयोग ज्ञापन (एमओसी) पर हस्ताक्षर किया है। नई दिल्ली के भारत मंडपम में चल रही इंडिया मोबाइल कांग्रेस में केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, गुजरात के शिक्षा राज्य मंत्री प्रफुल पानशेरिया और राज्य के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की प्रधान सचिव सुश्री मोना खंधार की मौजूदगी में इस सहयोग ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।

यह सहयोग ज्ञापन पूरे गुजरात के डिजिटल कनेक्टिविटी परिदृश्य में एक समान कवरेज के लिए राज्य सरकार की विशिष्ट पहल के रूप में भारतनेट फेज-1 और फेज-2 तथा जिलों के बीच डिजिटल डिवाइड को दूर कर सुदूरवर्ती गांवों में भी 98 फीसदी से अधिक सर्विस अपटाइम हासिल करने में उपयुक्त बनेगा। इसके लिए राज्य सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने दस वर्ष की अवधि के लिए वन टाइम कैपेक्स यानी एकमुश्त पूंजीगत व्यय और इस संशोधित भारतनेट कार्यक्रम के अंतर्गत 6000 करोड़ रुपए की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) केंद्र सरकार के समक्ष प्रस्तुत की है। इस डीपीआर में सिग्नल की शक्ति बढ़ाने के लिए फाइबर टू फार फ्लंग, टावर फाइबराइजेशन, कनेक्टेड और ग्रास रूट लेवल गवर्नेंस के लिए फाइबर टू फील्ड ऑफिस और फाइबर टू फैमिली जैसी परिसंपत्तियों का व्यापक उपयोग और राज्य सरकार के नेतृत्व वाली नेटवर्क डिजाइन और बहुआयामी दृष्टिकोण शामिल है। इसमें ग्रामीण आर्थिक क्षमताओं को अनलॉक करने के लिए फाइबर टू फाइनेंशियल इंटरप्राइजेज और कनेक्टेड विश्व के साथ-साथ नए रोजगार अवसरों के सृजन का भी समावेश किया गया है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात में अपने मुख्यमंत्रित्व काल के दौरान 2009 में 'ई-ग्राम विश्वग्राम प्रोजेक्ट' शुरू कर ग्रामीण स्तर पर ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी से डिजिटल युग की शुरुआत की थी। उनके नेतृत्व में गुजरात ने 2001 से 2024 तक 23 वर्षों में जो विकास क्रांति की है, उसकी सफलता का जश्न 'विकास सप्ताह' के रूप में राज्य भर में 7 से 15 अक्टूबर के दौरान मनाया गया है।

'विकास सप्ताह' उत्सव के समापन दिवस यानी 15 अक्टूबर को गुजरात और भारत सरकार के बीच हुआ यह एमओसी प्रधानमंत्री की डिजिटल भारत के माध्यम से दूरदराज के क्षेत्रों तक ब्रॉडबैंड इंटरनेट कनेक्टिविटी पहुंचाने के दृष्टिकोण को साकार करेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा और मार्गदर्शन में शुरू हुए 'ई-ग्राम विश्वग्राम प्रोजेक्ट' को मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य सरकार ने और भी गतिशीलता के साथ आगे बढ़ाया है। भारतनेट पर ई-गवर्नेंस सेवाओं को व्यापक रूप से आगे बढ़ाया गया है। इतना ही नहीं, डिजिटल सेवा सेतु कार्यक्रम के माध्यम से सरकार की विभिन्न सेवाएं स्थानीय स्तर पर ही लोगों को उपलब्ध हुई है। अब तक 1.6 करोड़ लोग इससे लाभान्वित हुए हैं। राज्य में 14 हजार से अधिक ई-ग्राम केंद्रों पर 320 से अधिक सेवाएं उपलब्ध हैं। अब, भारतनेट फेज-3 के साथ बाकी बचे ई-ग्राम केंद्रों को 98 फीसदी से अधिक अपटाइम नेटवर्क की सुनिश्चितता के साथ हाइब्रिड इंटरनेट कनेक्टिविटी उपलब्ध होगी। राज्य में अभी 7499 स्कूलों, 600 स्वास्थ्य केंद्रों, 300 से अधिक पुलिस चौकियों के अलावा जीआईडीसी, पर्यटक स्थलों और प्रदर्शनी केंद्रों सहित 50 स्थलों को भारतनेट फेज-2 नेटवर्क में शामिल कर जोड़ा गया है।

तिरंगे का अपमान करने पर ट्रक चालक समेत तीन के खिलाफ केस दर्ज

सूरत (ईएमएस) शहर के कापोद्रा से तिरंगे का अपमान करने की घटना सामने आई है देश की आन, बान शान तिरंगे का गठरी बनाने में उपयोग किया गया था तिरंगे का उपयोग कर बनाई गई गठरी में कपड़े की चिंधिया भरी गई थी एक जागरूक नागरिक की शिकायत पर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने ट्रक चालक समेत तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है मंगलवार की इस घटना की जानकारी सूरत के पूणा क्षेत्र ममें रहनेवाले तुषार सोलंकी नामक जागरूक नागरिक ने पुलिस को दी बीते दिन तुषार सोलंकी अपने घर से दोस्त के साथ शहर के कापोद्रा क्षेत्र से गुजर रहा था रास्ते में गिरनार झुग्गीबस्ती स्थित मामादेव मंदिर के निकट अपने दोस्त दिनेश देसाई के पार्किंग में एक ट्रक खड़ा था जिसमें तिरंगे का उपयोग कर बनाई गई गठरी रखी थी तुषार ने तुरंत 100 नंबर डायल कर पुलिस को घटना की सूचना दी घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने ट्रक चालक से पूछताछ की कुर्बानखां हनीफखां नाम के ट्रक चालक ने बताया कि सूरत के बमरोली से कपड़े की चिंधियां राजस्थान ले जाई जानी थी जिसमें चिंधियों को बांधने के लिए तिरंगे का उपयोग किया था पुलिस ने ट्रक के ड्राइवर कुर्बानखां हनीफखां, उसके सहयोगी अयूबखां दरियामखां और कपड़े की चिंधी खरीदने वाले हंसराज रामचंद्र प्रजापति के खिलाफ तिरंगे का अपमान करने का मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू की है

स्थानीय पुलिस सोती रही और साइबर सेल ने शराब समेत 50 लाख जब्त कर लिया

बनासकांठा (ईएमएस) कई बार ऐसी घटनाएं सामने आई हैं जिसमें स्थानीय पुलिस को पता ही नहीं चला औरस्टेट मोनिटरिंग सेल (ए